इंदौर, भोपाल से एक साथ प्रकाशित

मृदुभाषी

सच्ची ख़बरें, सलीके के साथ



04

इससे निवेशकों के बीच जाएगा गलत संदेश

04

गोल्ड लोन में 60 प्रतिश की ऐतिहासिक छलांग



youtube.com/mradubhashi x.com/mradubhashi1 facebook.com/mradubhashi

इंदौर, बुधवार, 18 नवम्बर 2026 नगर संस्करण, वर्ष: 07, अंक: 60, पृष्ठ: 08, मूल्य: 5:00 रूपए

छलनी सुई से कह रही है कि तेरे छेद गिन ले...

उज्जैन की धरती से सीएम मोहन यादव का कांग्रेस पर करारा तंज, बोले- गरीब चाय वाला पीएम बना तो विपक्ष का दिमाग खराब हो गया



मृदुभाषी। उज्जैन

बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन की सड़कों पर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी का जबरदस्त सियासी शक्ति प्रदर्शन देखने को मिला। भाजपा नगर जिला और ग्रामीण इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने खुद अगुवाई करते हुए विपक्ष पर जमकर सियासी तीर चलाए।

शहीद पार्क से शुरू होकर सांदीपनि चौराहे पर संपन्न हुई इस पदयात्रा से पहले मुख्यमंत्री ने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दल कांग्रेस पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि जब एक गरीब चाय वाला देश का प्रधानमंत्री बनकर सरकार चलाता है, तो यह बात कांग्रेस को बिल्कुल पचती नहीं है और इसी वजह से उसका दिमाग खराब हो जाता है। नसभा में उमड़े जनसैलाब का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ने उज्जैन के गौरवशाली अतीत और लोकतांत्रिक परंपराओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पावन अवंतिका नगरी के माध्यम से आज चारों ओर का वातावरण देश और दुनिया में धन्य हो रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं और नागरिकों से आह्वान किया कि वे जहां भी हैं, लोकतंत्र की रक्षा और मजबूती के लिए अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। इतिहास के पन्नों को पलटते हुए सीएम ने कहा कि करीब दो हजार साल पहले इसी उज्जयिनी की धरती से सम्राट विक्रमादित्य ने लोकतंत्र की असली लड़ाई शुरू की थी। राजा विक्रमादित्य की 32 पुतलियों में विशेष गुणों का वर्णन मिलता है, जिन्होंने जनता के साथ मिलकर लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया था। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों का करारा जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब देश में चुनाव कराना है, तो स्वाभाविक रूप से यह जिम्मेदारी चुनाव आयोग ही निभाएगा, भला आयोग के बिना निष्पक्ष चुनाव कराना कैसे संभव है।

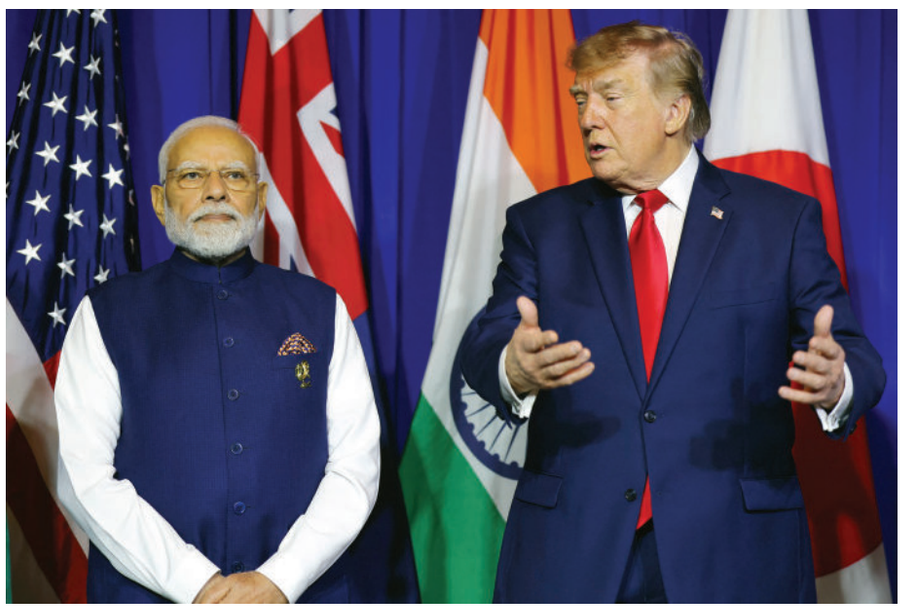
मनीला में क्वाड बैठक के दौरान ट्रम्प ने की मोदी की तारीफ: रेयर अर्थ खनिजों की सप्लाई के लिए चारों देशों में समझौता; 2027 में मुंबई में होगी पहली क्वाड बिजनेस लीडर्स फोरम की बैठक

मोदी-ट्रम्प मिले, चीन को चुनौती!

एजेंसी। नई दिल्ली

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक सहयोग को नई दिशा देने के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मंगलवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला में मुलाकात हुई। दोनों नेता क्वाड बैठक में शामिल हुए। इस दौरान ट्रम्प ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें 'टफ इंसान' बताया। बैठक में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज भी मौजूद रहे।

क्वाड बैठक के दौरान ट्रम्प ने प्रधानमंत्री मोदी की सराहना की। वहीं ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर उन्होंने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जा सकता। ट्रम्प ने ईरान को लेकर तीखी टिप्पणी भी की। क्वाड बैठक का सबसे अहम फैसला रेयर अर्थ समेत महत्वपूर्ण खनिजों की सप्लाई चेन को मजबूत करने से जुड़ा रहा। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच इन खनिजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए समझौता हुआ है। इसके तहत चारों देश खनिजों के खनन, प्रोसेसिंग और रीसाइक्लिंग में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। नई परियोजनाओं में निवेश के साथ तकनीक भी साझा की जाएगी। इसका प्रमुख उद्देश्य चीन पर निर्भरता घटाना और वैश्विक सप्लाई चेन को मजबूत बनाना है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका में रेयर अर्थ का उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है और अगले 10 महीनों में अमेरिका इस क्षेत्र में चीन के बराबर पहुंच जाएगा।



क्वाड फैमिली फोटो के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प पत्रकारों से बात करते हुए।

91% प्रोसेसिंग पर चीन का कब्जा: रेयर अर्थ के मामले में चीन की बढ़त केवल खनन तक सीमित नहीं है। उसने पिछले कई दशकों में इन खनिजों की प्रोसेसिंग क्षमता विकसित करने पर भारी निवेश किया है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) के मुताबिक, वर्ष 2024 में दुनिया की कुल रेयर अर्थ प्रोसेसिंग में चीन की हिस्सेदारी करीब 91 प्रतिशत थी। कम लागत और बड़े पैमाने पर उत्पादन की क्षमता ने चीन को इस क्षेत्र में मजबूत स्थिति दिलाई है।

2027 में मुंबई बनेगा क्वाड कारोबार का केंद्र: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए बताया कि वर्ष 2027 में पहली क्वाड बिजनेस लीडर्स फोरम की बैठक मुंबई में आयोजित होगी। इस फोरम में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के कारोबारी, सरकारी अधिकारी और विशेषज्ञ शामिल होंगे।

क्वाड का नया एजेंडा, चीन पर निर्भरता घटाने की रणनीति: मनीला की बैठक से साफ है कि क्वाड अब केवल हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहता। महत्वपूर्ण खनिजों, तकनीक, निवेश और व्यापारिक सहयोग को भी इसकी रणनीति में प्रमुख स्थान दिया जा रहा है। रेयर अर्थ पर हुआ समझौता इसी दिशा में एक अहम कदम है। आने वाले समय में इसका असर वैश्विक उद्योगों और चीन के साथ आर्थिक प्रतिस्पर्धा पर भी दिखाई दे सकता है। इसके लिए दुनिया के तमाम देश प्रयासरत हैं और रणनीति बना रहे हैं।

मोबाइल से मिसाइल तक रेयर अर्थ का कमाल

- **रेयर** अर्थ 17 विशेष रासायनिक तत्वों का समूह है। आधुनिक तकनीक और औद्योगिक उत्पादन में इनकी अहम भूमिका है।
- **मोबाइल,** लैपटॉप, कंप्यूटर और टीवी के निर्माण में इस्तेमाल।
- **इलेक्ट्रिक** कारों और मोटरों में महत्वपूर्ण भूमिका।
- **सौर** ऊर्जा से जुड़ी तकनीकों में उपयोग।
- **मिसाइलों,** लड़ाकू विमानों और रक्षा उपकरणों के निर्माण में जरूरत।
- **पेट्रोलियम** रिफाइनरी-केमिकल उद्योग में उपयोग।
- **यही** वजह है कि दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं इन खनिजों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना चाहती हैं।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात पर ट्रम्प का जवाब

बैठक के दौरान ट्रम्प से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ संभावित मुलाकात को लेकर भी सवाल किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि ऐसी मुलाकात हो पाएगी या नहीं, लेकिन अवसर मिला तो वे जरूर मिलेंगे। ट्रम्प ने बताया कि पुतिन चीन जा रहे हैं और वे भी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के मेहमान होंगे। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की संभावित मौजूदगी को लेकर पूछे गए सवाल पर ट्रम्प ने कहा कि किम भी वहां आना चाहेंगे, लेकिन आगे क्या होता है, यह देखना होगा।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

रिश्वत के मामले में केवल रिकॉर्डिंग और शिकायत पर नहीं चलेगा काम !

मृदुभाषी। जबलपुर

भ्रष्टाचार के मामलों में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने एक बेहद अहम और स्पष्ट फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ कर दिया है कि किसी भी व्यक्ति पर रिश्वत मांगने और उसे स्वीकार करने के आरोप को केवल प्राथमिक शिकायत या अपुष्ट वॉयस रिकॉर्डिंग के आधार पर साबित नहीं माना जा सकता, इसके लिए पुख्ता और विश्वसनीय साक्ष्यों का होना अनिवार्य है। जस्टिस संजीव एस. कलगांवकर की एकलपीठ ने इसी महत्वपूर्ण टिप्पणी के साथ लोकायुक्त की विशेष अपील को सिरे से खारिज कर दिया है, जिससे पटवारी को राहत मिल गई है।

यह पूरा मामला सीहोर जिले से जुड़ा हुआ है, जहां लोकायुक्त भोपाल ने विशेष न्यायालय सीहोर के उस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी जिसमें हल्का पटवारी संतोष राठौर को भ्रष्टाचार के तमाम आरोपों से बरी कर दिया गया था। लोकायुक्त की ओर से आरोप लगाया गया था कि सीहोर में पदस्थ इस पटवारी ने पारिवारिक जमीन के आपसी बंटवारे की एवज में अजय पाटीदार से 6,000 रुपये और मनोज पाटीदार से 35,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी, जिसकी शिकायत भोपाल स्थित लोकायुक्त में दर्ज कराई गई थी।



अदालत में पलट गए खुद शिकायतकर्ता

शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त पुलिस ने बातचीत रिकॉर्ड करने के वास्ते शिकायतकर्ताओं को एक डिजिटल वॉयस रिकॉर्डर उपलब्ध कराया था और इसके आधार पर ट्रैप की कार्रवाई की योजना बनाई गई थी। आरोप यह भी था कि पटवारी ने सीधे तौर पर रिश्वत की रकम लेने से इनकार करते हुए पैसे गांव के कोटवार के मार्फत देने को कहा था। हालांकि, जब मामला हाईकोर्ट में सुनवाई के लिए पहुंचा, तो पूरा पासा ही पलट गया। दोनों मुख्य शिकायतकर्ता अदालत में अपने ही बयानों और आरोपों से पूरी तरह मुकर गए।

इंस्टाग्राम पर अब नहीं दिखेगी अश्लीलता

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम ने भारत में अपने कंटेंट रिकमंडेशन सिस्टम को बड़े स्तर पर अपडेट किया है। इस नए बदलाव के बाद अब भारतीय यूजर्स को प्लेटफॉर्म पर यौन और हिंसा दिखाने वाले आपत्तिजनक पोस्ट काफी कम दिखाई देंगे। इंस्टाग्राम की पेरेंट कंपनी मेटा ने इस फिल्टरेशन प्रक्रिया को सख्त बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के अधिक सक्षम और उन्नत मॉडल तैनात किए हैं। कंपनी ने 16 नवंबर को अपने आधिकारिक ब्लॉग के माध्यम से इस महत्वपूर्ण अपडेट की जानकारी साझा की है।

मेटा के अनुसार, ये नए एआई मॉडल किसी भी पोस्ट को यूजर्स तक रिकमंड करने से पहले ही उसकी गहन जांच करेंगे और तय सुरक्षा गाइडलाइंस पर खरा नहीं उतरने वाले कंटेंट को रिकमंडेशन की सूची से पूरी तरह बाहर रखेंगे। यह नया बदलाव मुख्य रूप से रील्स, एक्सप्लोर पेज और मुख्य फीड में दिखने वाले



उन पोस्ट पर लागू होगा, जिनके अकाउंट्स को यूजर्स ने फॉलो नहीं किया है। गौरतलब है कि इससे पहले 10 अक्टूबर को भारत सरकार ने मेटा को एक औपचारिक एडवाइजरी जारी कर इंस्टाग्राम और फेसबुक के रिकमंडेशन सिस्टम तथा एल्गोरिदम की समीक्षा करने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद कंपनी ने यह ठोस कदम उठाया है। मेटा ने स्पष्ट किया है कि कंपनी पिछले एक साल से इंस्टाग्राम के डिफॉल्ट कंटेंट प्रोटेक्शन सिस्टम को मजबूत करने पर काम कर रही है। इसके तहत भारतीय यूजर्स की पसंद, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और फीडबैक को ध्यान में रखते हुए एआई मॉडल को भारत के लिए खासतौर पर ट्यून किया गया है।

आजम खान को हाईकोर्ट से मिली अंतरिम जमानत



प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने मंगलवार को उन्हें जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े 426 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अंतरिम जमानत प्रदान कर दी है। इस कानूनी प्रक्रिया के पूरा होने के बाद बुधवार को उनके जेल से बाहर आने की पूरी संभावना है। इसके साथ ही वह करीब एक साल के लंबे अंतराल के बाद जेल से रिहा होकर बाहर आएंगे। गौर करने वाली बात यह है कि फर्जी जन्म प्रमाण पत्र और पैन कार्ड मामले में सजा के बाद उन्हें पिछले साल 17 नवंबर 2025 को रामपुर जेल भेजा था।

केमेरोवो क्षेत्र में विमान दुर्घटनाग्रस्त

रूस: विमान हादसे में 17 मौत की आशंका

मॉस्को: रूस के केमेरोवो क्षेत्र स्थित यागुनोवो गांव के पास एक भीषण विमान हादसे की खबर सामने आई है, जिसने प्रशासनिक और रक्षा गलियारों में हलचल मचा दी है। क्षेत्र के गवर्नर इल्या सेरेद्युक ने इस विमान दुर्घटना की पुष्टि करते हुए जानकारी दी है कि यह हादसा यागुनोवो गांव के नजदीकी इलाके में हुआ। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन ने तुरंत हरकत में आते हुए आपातकालीन सेवाओं और बचाव दलों को घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया है। फिलहाल राहत कार्य के साथ-साथ संबंधित विभागों के अधिकारी इस बात का पता लगाने में जुटे हैं कि यह हादसा किन परिस्थितियों में और कैसे हुआ।

हादसे के संबंध में विस्तृत जानकारी साझा करते हुए केमेरोवो के गवर्नर इल्या सेरेद्युक ने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद आपातकालीन सेवाओं ने मौके पर मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने कहा कि हादसे से जुड़े तमाम तकनीकी और परिस्थितिजन्य पहलुओं



की गहन जांच संबंधित एजेंसियां कर रही हैं। गवर्नर ने स्पष्ट किया कि दुर्घटनाग्रस्त हुआ यह विमान केमेरोवो क्षेत्र में किसी ठहराव या लैंडिंग के लिए नहीं आया था, बल्कि यह इस क्षेत्र के हवाई मार्ग से केवल गुजर रहा था, तभी अचानक यह दर्दनाक हादसा घटित हो गया। दूसरी ओर, इस दुर्घटना को लेकर सोशल मीडिया पर कई बड़े दावे किए जा रहे हैं। रूस समर्थक सोशल मीडिया चैनलों का दावा है कि हादसे का शिकार हुआ विमान रूसी वायुसेना का सैन्य परिवहन विमान 'एएन-12' था। इन चैनलों के मुताबिक, उड़ान के वक्त विमान में कुल 17 क्रू सदस्य सवार थे और इस भीषण टक्कर में सभी 17 लोगों की मौत होने की प्रबल आशंका जताई जा रही है।

दो बच्चों के पिता कांग्रेस विधायक आदिवासियों से बोले- पांच बच्चे पैदा करो, नहीं तो अल्पसंख्यक रह जाओगे

मृदुभाषी। अनूपपुर

अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को का एक बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने आदिवासी परिवारों से कम से कम पांच बच्चे पैदा करने की अपील की है। विधायक का यह बयान सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में इस पर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

सामने आए वीडियो के अनुसार, यह बयान 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के



अवसर पर ग्राम पंचायत दूधी के हर्रा गांव में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिए गए उनके भाषण का है। अपने संबोधन में विधायक ने तर्क दिया कि यदि आदिवासी समाज की जनसंख्या में इसी प्रकार गिरावट जारी रही, तो भविष्य में इसका गंभीर असर समाज को मिलने वाले संवैधानिक आरक्षण तथा उसकी सामाजिक व राजनीतिक भागीदारी पर पड़ सकता है। उन्होंने यह आशंका भी जताई कि आने वाले समय में आदिवासी लोग अपने ही मूल क्षेत्रों में अल्पसंख्यक होने की स्थिति में पहुंच सकते हैं।

खुद के दो बच्चे होने के सवाल पर बचाव

जब उनसे यह सवाल किया गया कि उनके खुद के केवल दो ही बच्चे हैं, तो इस पर विधायक मार्को ने सफाई देते हुए कहा कि जब उन्होंने अपना परिवार नियोजित किया था, तब आदिवासी समाज की आबादी की स्थिति और सामाजिक परिस्थितियां आज से बेहतर थीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में लगातार घटती जनसंख्या दर समाज के लिए चिंता का विषय बन गई है।

नसबंदी के लक्ष्यों पर घेरा

भाषण के दौरान कांग्रेस विधायक ने सरकारी नसबंदी योजनाओं को लेकर भी कड़े सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इन कल्याणकारी और परिवार नियोजन योजनाओं के लक्ष्य मुख्य रूप से आदिवासी समाज के लोगों से ही पूरे करवाती है, जबकि अन्य समाजों के लोग इनका पालन नहीं करते हैं। उन्होंने शादी करने वाले नवयुवकों और उनके अभिभावकों से खुलकर अपील की कि वे अपने परिवार का आकार बढ़ाएं। मार्को ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि समाज ने समय रहते इस गंभीर मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया, तो भविष्य में इसके परिणाम काफी नुकसानदेह साबित होंगे।

प्रभावशाली मुस्लिमों की सूची में शहबाज-आसिम मुनीर शीर्ष पर

एजेंसी। इस्लामाबाद

दुनिया के सबसे प्रभावशाली और ताकतवर मुस्लिम शख्सियतों की बहुप्रतीक्षित सूची सामने आ चुकी है, जिसमें इस बार बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। जॉर्डन के प्रतिष्ठित थिंक टैंक 'रॉयल इस्लामिक स्ट्रैटेजिक स्टडीज सेंटर' (RISSC) द्वारा जारी वर्ष 2027 की इस वैश्विक सूची में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की जोड़ी को संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल हुआ है।

पाकिस्तानी जोड़ी के साथ-साथ इस सूची में सऊदी अरब के किंग सलमान, देश के ताकतवर क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन को भी संयुक्त रूप से पहला स्थान दिया गया है। वैश्विक कूटनीति और राजनीतिक प्रभाव के लिहाज से इस शीर्ष पायदान पर कई बड़े राष्ट्राध्यक्षों का



नाम शामिल होना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खासी चर्चा का विषय बन गया है। गौरतलब है कि पिछले साल यानी 2026 की इस सूची में आसिम मुनीर और शहबाज शरीफ का नाम टॉप-50 तक में शामिल नहीं था। इस बार उन्हें सीधे शीर्ष स्थान मिलने का मुख्य कारण पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुआ रणनीतिक 'मक्का समझौता' बताया जा रहा है।

औद्योगिक क्षेत्रों में गहराया जलसंकट सूखते बोरिंग से उत्पादन पर खतरा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। कम बारिश और भूजल स्तर में अपेक्षित बढ़ोतरी न होने का सीधा असर अब इंदौर के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में दिखाई देने लगा है। बोरिंग में पानी का स्तर तेजी से गिरने और पारंपरिक जलस्रोतों के सूखने से उद्योगों के सुचारू संचालन पर गंभीर संकट मंडरा रहा है।

सांवेर रोड, पालदा और पोलोग्राउंड सहित शहर के अन्य औद्योगिक क्लस्टरों में पानी की किल्लत को लेकर उद्यमियों की चिंता लगातार बढ़ रही है। विशेष रूप से सांवेर रोड औद्योगिक क्षेत्र पूरी तरह बोरिंग के पानी पर ही निर्भर है, क्योंकि यहां नर्मदा जल की आपूर्ति नहीं होती और नगर निगम की सीमित जलापूर्ति औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ है।

उद्यमियों का मानना है कि यदि जल्द ही पानी की वैकल्पिक और स्थायी व्यवस्था नहीं की गई, तो कई इकाइयों का उत्पादन बुरी



तरह प्रभावित हो सकता है और कुछ फैक्ट्रियों को अस्थायी रूप से बंद करने की नौबत भी आ सकती है।

उद्योग पानी की उचित कीमत चुकाने को तैयार

ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष प्रकाशचंद जैन और फार्मा उद्यमी अमित चावला सहित अन्य उद्योगपतियों ने इस गंभीर स्थिति पर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि उद्योग पानी की उचित कीमत चुकाने को तैयार हैं, लेकिन चुनौती कीमत की नहीं बल्कि पानी की नियमित उपलब्धता की है। पालदा औद्योगिक क्षेत्र में संचालित करीब 300 से 400 इकाइयों में से अधिकांश की उत्पादन प्रक्रिया पानी पर आधारित है। डाइंग, कलरिंग, टेक्सटाइल, प्लास्टिक, इंजेक्शन मोल्डिंग और केमिकल जैसे प्रोसेसिंग उद्योगों को बड़ी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। वर्तमान में कई क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से पानी मंगाया जा रहा है, जो एक अत्यंत महंगा विकल्प है। टैंकरों से पानी खरीदने के कारण मैन्युफैक्चरिंग लागत बढ़ेगी, जिसका सीधा असर तैयार उत्पादों की कीमतों पर पड़ेगा और बाजार में महंगाई बढ़ सकती है।

ट्रीटेड पानी अलग पाइप लाइन के जरिए देने का प्रस्ताव

प्रशासनिक स्तर पर नगर निगम ने औद्योगिक क्षेत्रों को एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट का ट्रीटेड पानी अलग पाइपलाइन के जरिए देने का प्रस्ताव रखा है, लेकिन यह कब तक धरातल पर उतरेगा इसकी कोई समयसीमा तय नहीं है। दूसरी ओर, पेयजल संकट से निपटने के लिए नगर निगम ज्यादा भूजल दोहन करने वाली बोरिंग पर कार्रवाई करने की तैयारी में है। उद्यमियों का कहना है कि आम नागरिकों को पेयजल मिलना सर्वोच्च प्राथमिकता है, लेकिन शहर की अर्थव्यवस्था और रोजगार की रीढ़ माने जाने वाले उद्योगों के लिए भी नर्मदा से अतिरिक्त पानी लाने जैसी योजनाओं को तय समयसीमा में लागू करना अनिवार्य है। हालांकि, राहत की बात यह है कि जिला उद्योग केंद्र के जीएम स्वप्निल गर्ग के अनुसार पोलोग्राउंड औद्योगिक क्षेत्र में नई पानी की टंकी तैयार हो चुकी है और वहां कनेक्शन देने का काम तेजी से जारी है।

'सांस' अभियान शुरू : निमोनिया से बचाव और नवजात की देखभाल पर जोर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। मौसम में बदलाव के साथ पांच वर्ष तक के छोटे बच्चों में निमोनिया और सांस संबंधी संक्रमण का खतरा तेजी से बढ़ जाता है। बाल मृत्यु दर में कमी लाने और बच्चों को इस गंभीर संक्रमण से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से इंदौर जिले में विशेष 'सांस' (रअअठर) अभियान का शुभारंभ किया गया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह अभियान 12 नवंबर 2026 से 28 फरवरी 2027 तक संचालित किया जा रहा है, जिसके तहत शहरी और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में बच्चों की स्क्रीनिंग, जागरूकता और उनके उपचार से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां चलाई जा रही हैं। इसके साथ ही 15 से 21 नवंबर तक 'नवजात शिशु सुरक्षा सप्ताह' भी मनाया जा रहा है।

बाल मृत्यु में निमोनिया से 17.2 प्रतिशत मृत्यु

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु के प्रमुख कारणों में निमोनिया एक बड़ी वजह है, जिसकी कुल बाल मृत्यु में



हिस्सेदारी करीब 17.2 प्रतिशत है। प्रदेश में शून्य से पांच वर्ष आयु वर्ग में प्रति एक हजार जीवित जन्म पर लगभग 41 बच्चों की मौत होती है, जिनमें से अकेले निमोनिया से होने वाली मृत्यु का आंकड़ा प्रति एक हजार पर 5.1 है। इस अभियान के माध्यम से इस दर को घटाकर प्रति एक हजार जीवित जन्म पर तीन से कम करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए स्वास्थ्यकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है, स्वास्थ्य संस्थाओं में मानक उपचार की व्यवस्था मजबूत की जा रही है और बचाव के लिए सभी केंद्रों पर पीसीवी (न्यूमोकोकल कॉन्जुगेट वैक्सीन) का टीका भी उपलब्ध कराया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों में निमोनिया के लक्षणों को नजरअंदाज न करें। तेज सांस चलना, सांस लेते समय सीने का अंदर की ओर धंसना, लगातार बुखार, खांसी, घरघराहट, दूध न पीना और सुस्ती इसके प्रमुख लक्षण हैं। ऐसा दिखने पर बच्चे को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाएं। वहीं, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. तरुण गुप्ता ने बताया कि 'नवजात शिशु सुरक्षा सप्ताह' की थीम 'नन्हें शिशु, उज्ज्वल भविष्यः बेहतर कल के लिए निरंतर देखभाल' है, जिसका उद्देश्य अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद भी नवजात को बेहतर देखभाल, नियमित स्वास्थ्य जांच और समय पर टीकाकरण उपलब्ध कराना है।

लालबाग पैलेस में खुदाई के दौरान मिली पुरानी तिजोरी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शहर के ऐतिहासिक लालबाग पैलेस परिसर में मंगलवार सुबह खुदाई के दौरान जमीन के नीचे दबी एक पुरानी लोहे की तिजोरी मिलने से सनसनी फैल गई। परिसर में चल रहे सड़क और दीवार निर्माण कार्य के दौरान कर्मचारियों को मिट्टी में दबी यह तिजोरी दिखाई दी। तिजोरी के बाहर निकलते ही वहां काम कर रहे कर्मचारियों और अन्य लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। एहतियात के तौर पर पैलेस प्रबंधन ने इसे सुरक्षित स्थान पर रखवा दिया है और वरिष्ठ अधिकारियों को पूरे मामले की सूचना दे दी है। इस घटना के बाद से ही सोशल मीडिया पर तिजोरी के होलकर राजघराने से जुड़े होने के कयास लगाए जा रहे हैं।

शाही परिवार से जुड़े होने की चर्चाएं

लालबाग पैलेस इंदौर के होलकर राजघराने के गौरवशाली इतिहास और विरासत से जुड़ा एक प्रमुख स्थल है। ऐसे में यहां जमीन के भीतर से पुरानी तिजोरी बरामद होने के बाद इसके शाही परिवार से जुड़े होने की चर्चाएं तेज हो



गई हैं। लोगों के बीच इस बात को लेकर उत्सुकता बनी हुई है कि क्या इस तिजोरी में कभी राजघराने के बेशकीमती दस्तावेज, आभूषण या कोई खजाना रखा जाता था। हालांकि, प्रशासन की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पैलेस के चौकीदार धर्मेंद्र यादव ने बताया कि परिसर में इन दिनों सड़क निर्माण और साफ-सफाई का काम चल रहा है। इसी के लिए की जा रही खुदाई के दौरान मजदूरों को यह तिजोरी मिली, जिसकी जानकारी उन्होंने तुरंत प्रबंधन को दी। फिलहाल तिजोरी को पूरी सुरक्षा में रखा गया है। पुरातत्व और संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के मौके पर पहुंचकर निरीक्षण करने और तिजोरी को खोलने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि यह कितनी प्राचीन है और इसके भीतर क्या सामग्री मौजूद है।

125 से अधिक तपस्वियों ने किया वर्षीतप का उच्चारण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। एयरपोर्ट रोड स्थित श्री केसरी वाटिका में आयोजित द्विशताब्दी गुरुराज स्पर्श चातुर्मास2026 के अंतर्गत मंगलवार को परम पूज्य गच्छाधिपति जैनाचार्य श्रीमद् विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी महाराज साहब की पावन निश्रा में भव्य वर्षीतप उच्चारण महोत्सव एवं धर्मसभा का आयोजन हुआ। इस अवसर पर 125 से अधिक वर्षीतप आराधकों ने गुरुभगवंतों की निश्रा में वर्षीतप उच्चारण की विधि संपन्न की। जावरा सहित विभिन्न स्थानों से आए तपस्वियों एवं श्रद्धालुओं की उपस्थिति से आयोजन धर्ममय बन गया। धर्मसभा में वरिष्ठ मुनिराज डॉ. सिद्धरत्न विजयजी म.सा. ने कहा कि तपस्या का वास्तविक उद्देश्य केवल शरीर को कष्ट देना नहीं, बल्कि कर्मों की निर्जरा कर आत्मकल्याण एवं मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर होना है। वर्षीतप, सिद्धितप, मासक्षमण, अठाई अथवा कोई भी तप हो, उसमें समता, क्षमा और शांति का भाव बनाए रखना आवश्यक है। विशेषकर पारणे के समय हमारी समता की परीक्षा होती है। जैसा भी आहार मिले, उसके प्रति संतोष रखना चाहिए। तपस्या के साथ समता और क्षमा का भाव जुड़ जाए, तभी वास्तविक कर्मक्षय संभव है। उन्होंने तपस्वियों को गुरुदेव की कृपा एवं आशीर्वाद प्राप्त कर अपने तप के संकल्प को पूर्ण करने की प्रेरणा दी।

चातुर्मास होना तपस्वियों के लिए विशेष सौभाग्य

प.पू. विद्वदरत्न विजयजी म.सा. ने



अपने प्रवचन में कहा कि वर्षीतप जैन धर्म की प्राचीन एवं महान तप आराधना है, जो असंख्य वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनी हुई है।

वर्ष 2026 में वर्षीतप की आराधना के साथ पूज्य गच्छाधिपतिश्री का चातुर्मास होना तपस्वियों के लिए विशेष सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि तपस्या के मार्ग पर संकल्प लेने के बाद उसे पूर्ण निष्ठा से निभाना चाहिए। जीवन में भौतिक सुख-सुविधाओं का उपभोग बहुत कर लिया, अब आत्मकल्याण के लिए तप, त्याग और धर्म को जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए। महाराजश्री ने कहा कि तप और आराधना की भावना संप्रदाय की सीमाओं से ऊपर है। किसी भी संप्रदाय के तपस्वी भगवान की आज्ञा का पालन करते हुए तपस्या करते हैं, यह धर्म की प्रभावना का ही स्वरूप है। उन्होंने गुरु परंपरा के आशीर्वाद को धर्म और तप की निरंतरता का आधार बताते हुए तपस्वियों की आराधना की अनुमोदना की।

जिनबिंब प्रतिष्ठा का लाभ लेने का आग्रह

मीडिया समन्वयक राजेश जैन युवा ने बताया की प्रवचन के दौरान विद्वदरत्न विजयजी म.सा. ने आगामी जिनबिंब प्रतिष्ठा महोत्सव का उल्लेख करते हुए श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक जिनबिंब प्रतिष्ठा का लाभ लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रतिमा छोटी हो या बड़ी, अपनी सामर्थ्य और श्रद्धा के अनुसार प्रतिष्ठा में सहभागिता करना पुण्यदायी है। जिनबिंब भगवान की प्रतिमा जीवन में श्रद्धा, आराधना और आत्मकल्याण का अवलंबन बनती है। कार्यक्रम में 125 से अधिक वर्षीतप आराधकों ने वर्षीतप उच्चारण की विधि पूर्ण की।

जावरा सहित विभिन्न क्षेत्रों से पधारे तपस्वियों की इंदौर श्रीसंघ की ओर से तपस्या की अनुमोदना करते हुए उनका बहुमान किया गया। तपस्वियों के त्याग, तप और साधना की सराहना की गई। कार्यक्रम का संचालन नीरज सुराणा ने किया। जावरा स्थित मनमोहन पार्श्वनाथ एवं गुरु मंदिर के शिखरबंद जिनालय के मुहूर्त लेने जावरा से सैकड़ो लोग उपस्थित हुए थे, प.पु. गच्छाधिपतिजी ने 18 मार्च को जावरा में प्रतिष्ठा कराने का मुहूर्त प्रदान किया।

एक दिन में मिलीं 181 शिकायतें, 111 पर हुई चालानी कार्रवाई

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।

इस अभियान की सबसे खास बात यह है कि अब इसमें आम नागरिक भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। जागरूक नागरिक 'इंदौर ट्रैफिक साथी एप' और व्हाट्सएप ट्रैफिक हेल्पलाइन के माध्यम से नियम तोड़ने वालों की तस्वीरें और शिकायतें सीधे पुलिस तक पहुंचा रहे हैं। इसी कड़ी में बीते 16 नवंबर को इन दोनों डिजिटल माध्यमों पर कुल 181 शिकायतें और सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिनके आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 111 मामलों में कुल चालानी कार्रवाई की। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, 'इंदौर ट्रैफिक साथी एप' पर 16 नवंबर को अकेले 150 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें बिना हेलमेट वाहन चलाने के 43 मामले सबसे अधिक रहे।

लसूड़िया थाना क्षेत्र में निजी कंपनी के जनरल मैनेजर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शहर के लसूड़िया थाना क्षेत्र में रहने वाले एक निजी कंपनी के जनरल मैनेजर की सोमवार देर शाम संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक मूल रूप से केरल के रहने वाले थे और महज 25 दिन पहले ही इंदौर स्थित कंपनी के ऑफिस में ज्वाइन करने आए थे। पैर में दर्द की शिकायत लेकर डॉक्टर के पास पहुंचे जनरल मैनेजर की हालत अचानक निजी अस्पताल ले जाने के बाद गंभीर हो गई और इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने इस मामले को जांच में लेते हुए मर्ग कायम कर लिया है और मौत के असल कारणों का पता लगाने में जुटी है।

लसूड़िया पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान 44 वर्षीय मेनन दिनेश पुत्र करुणा कृष्णन के रूप में हुई



है, जो वर्तमान में महालक्ष्मी नगर में रह रहे थे। मेनन दिनेश एबी रोड स्थित क्रिस्टल कॉर्पोरेट बिल्डिंग में संचालित 'वडोरा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' में जनरल मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। इस कंपनी का प्लांट टीकमगढ़ में स्थित है, जहां मुख्य रूप से केबल और कनेक्टर बनाने का कार्य किया जाता है। कंपनी के स्टाफ ने बताया कि वे करीब 25 दिन पहले ही इंदौर आए थे और अपने काम को संभाल रहे थे।

स्टाफ ने बताया कि मेनन के एक पैर में पिछले कुछ दिनों से लगातार दर्द बना हुआ था, जिसके चलते बंगाली चौराहा स्थित डॉक्टर नितिन साहू से उनका इलाज चल रहा था। सोमवार को वे ऑफिस नहीं पहुंचे थे और शाम के वक्त उन्होंने डॉक्टर को फोन कर दर्द बढ़ने की जानकारी दी, जिसके बाद वे खुद क्लीनिक पहुंचे थे। वहां से उन्हें एक निजी अस्पताल रेफर किया गया, जहां अस्पताल में उनकी तबीयत तेजी से बिगड़ गई। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने उनके स्टाफ के सदस्य जीवन राजा को फोन कर इस अनहोनी की सूचना दी। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई, जिसके बाद कंपनी का स्टाफ उन्हें लेकर एमवाय अस्पताल पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी जांच कर रही है।

हथियारबंद बदमाशों ने नकदी और जेवर चुराए, पांच संदिग्ध सीसीटीवी में कैद

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शहर के कनाड़िया थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। क्षेत्र में रहने वाले एक किसान के सूने मकान को हथियारबंद बदमाशों ने अपना निशाना बनाते हुए चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। गनीमत यह रही कि घटना के समय परिवार त्योहार मनाने के लिए अपने रिश्तेदारों के घर गया हुआ था, जिससे कोई अनहोनी नहीं हुई। रविवार और सोमवार की दरमियानी रात बदमाशों ने सूने घर का ताला तोड़ा और अंदर घुसकर अलमारी में रखी सोने की एक चेन, चांदी की पायजेब और नकदी समेटकर फरार हो गए। मंगलवार को इस घटना से जुड़ा एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें पांच संदिग्ध बदमाश इलाके में रेकी करते हुए साफ नजर आ रहे हैं।



परिवार के साथ त्योहार मनाने गए थे परिजन

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कनाड़िया क्षेत्र के निवासी किसान प्रवीण पिछले तीन-चार दिनों से अपने परिवार के साथ त्योहार मनाने बाहर गए हुए थे। घर सूना पाकर शातिर बदमाशों ने सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने न केवल किसान के घर को खंगाला, बल्कि इलाके के अन्य घरों में भी चोरी के इरादे से रेकी की, हालांकि वे अन्य जगहों पर सफल नहीं हो सके। मंगलवार को जब पीड़ित परिवार अपने घर वापस लौटा, तो घर का सारा सामान बिखरा हुआ मिला और अलमारी खुली देखकर उनके होश उड़ गए। चोरी की इस घटना के तुरंत बाद पीड़ित ने कनाड़िया थाने पहुंचकर पुलिस को पूरी जानकारी दी।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फरियादी को एफआईआर दर्ज कराने के लिए कहा गया है और औपचारिक कार्रवाई पूरी कर विधिवत प्रकरण दर्ज किया जा रहा है। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे कई सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले हैं, जिनमें पांच संदिग्ध बदमाश हाथों में हथियार और संदिग्ध गतिविधियों के साथ दिखाई दे रहे हैं। फुटेज में नजर आ रहे इन बदमाशों के हुलिए और गतिविधियों के आधार पर पुलिस उनकी पहचान करने में जुटी है तथा उनकी तलाश में दबिश दी जा रही है।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक **श्रीमती इंदु पतिश्री विजयकांत शुक्ला,** पता **279-जी, सिलिकॉन सिटी, इंदौर,** पिन **1003124384,** झोन क्र. 21, वार्ड क्र. 79। विक्रयपत्र अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन **18.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 21 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 21 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक **श्री मुकेश कुमार पिताश्री लालचंद मईडा, सुलोचना पति मुकेश मईडा,** पता **67, सिलिकॉन सिटी, इंदौर,** पिन **1004036209,** झोन क्र. 21, वार्ड क्र. 79। विक्रयपत्र अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन **18.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 21 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 21 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/क्रेता **डॉ. शेखर जैन पिताश्री बाबूलाल जैन, वर्षा पति डॉ. शेखर जैन** द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र प्रस्तुत का सम्पत्ति का **खाता क्रमांक 1001315362** पता **14, एच.आई.जी. योजना क्र. 47, गुलमर्ग कॉम्पलेक्स, इंदौर** के नाम पर नामांतरण चाहा गया है। निगम रिकार्ड में दर्ज नाम **श्री ब्रजभूषण पिताश्री मोहनलाल** । इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक **18.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्तीय संस्था, बैंक, निकाय, व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह झोन क्रमांक 18 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्षमय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात व बिना लेखी प्रमाण आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी शहीद छत्रपति शिवाजी (कृषि विहार) झोन क्रमांक 18 नगर निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। **श्रीमती रंजना पतिश्री अशोक खंडागले** पिन नं. **1000938488,** झोन क्र. 08 वार्ड क्र. 28। पता **504/15, रामनगर, इंदौर** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **18.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 08 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, शहीद चन्द्रशेखर आजाद झोन क्रमांक 08 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। विक्रेता **श्री प्रदीप पिताश्री भोलारामजी यादव** क्रेता **श्री शीशराम पिताश्री शेराराम मोगा** पिन क्र.**1000993909 झोन क्र. 07 वार्ड** क्र. 34। पता **205-ई, स्लाईस-3, स्कीम नं. 78, इन्दौर** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **18.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो **झोन क्र. 07** के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, अटल बिहारी वाजपेयी (स्कीम नं. 54) झोन क्रमांक 07 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक **श्रीमती सुनीता कुमारी पतिश्री संदीप स्वामी** विक्रेता/पूर्व नाम **कंवलजीत कौर** पता **13/1, राजपाल फार्म कुशवाह का बगीचा, इंदौर** पिन **2000261320,** झोन क्र. 13 वार्ड क्र. 74। इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक **18.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 13 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 13 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक **श्री नितिश सिंघल पिताश्री मोहनलाल सिंघल एवं अन्य** विक्रेता/पूर्व नाम **श्री मोहनलाल** पता **60 सर्वे 171/1/1/2, सवोन्दि नगर, इंदौर** पिन **1003993218,** झोन क्र. 13 वार्ड क्र. 74। इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक **18.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 13 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 13 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

जन साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **मोहम्मद असलम राईन पिताश्री अब्दुल करीम** द्वारा क्रेता **मुकेश कुमार पिता उमेश प्रसाद** झोन क्र. 17 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री/वसीयतनामा/ वारिसनाते प्रस्तुत कर **पिन नं. 2000275173** पता **आर-3, श्रीराम बिजनेस सेंटर-II, इंदौर** पर नामांतरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना के प्रकाशन दिनांक 18.11.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामांतरण में आपत्ति हो तो झोन क्र. 17 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 17 नगर पालिका निगम इंदौर

साधना, संयम और आत्मकल्याण की ओर एक मंगलमय यात्रा पुस्तक का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया अवलोकन

अपने विचारों, वाणी और व्यवहार को सुधारने की प्रेरणा देती है पुस्तक : डॉ. यादव

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इन्दौर। अनुष्ठान आराधिका महासती डॉ. कुमुद लता जी महाराज के प्रवचनों के आधार पर संकलित पुस्तिका साधना, संयम और आत्मकल्याण की ओर एक मंगलमय यात्रा की प्रति मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भेंट की गई।

मुख्यमंत्री दिवाकर दरबार, नरसिंह वाटिका, एयरपोर्ट रोड, इन्दौर पर महासती डॉ. कुमुद लता जी महाराज के दर्शन-वंदन के लिए आए थे। इसी पावन अवसर पर यह पुस्तिका उन्हें सादर भेंट की गई। पुस्तिका में समाहित विषयों की जानकारी चातुर्मास समिति के मुख्य समन्वयक जिनेश्वर जैन ने मुख्यमंत्री को दी।



पुस्तिका की विशेषता

इस पुस्तिका में जनमानस के लिए प्रेरणादायी वक्तव्य तथा संकल्पमय चातुर्मास 2026 के मुख्य कार्यक्रमों की सचित्र झलकियाँ समाहित हैं।

चातुर्मास की सम्पूर्ण यात्रा पुस्तिका में प्रस्तुत

चातुर्मास की सम्पूर्ण यात्रा को इस पुस्तिका में एक संग्रहणीय दस्तावेज के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसमें चातुर्मास के दौरान सम्पन्न हुए विभिन्न कार्यक्रमों का महत्व, उनका इतिहास तथा उनके विषय में साध्वी जी के विचारों को सुंदर रूप से संकलित किया गया है। पुस्तिका का संकलन कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के निर्देशन में दीपक जैन टीनू एवं अभिमन्यु चौहान तथा उनकी पूरी टीम द्वारा किया गया है।

मुख्यमंत्री ने की सराहना

पुस्तिका का अवलोकन करने के पश्चात मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पुस्तिका अपने विचारों, वाणी और व्यवहार को सुधारने की प्रेरणा देती है। साधना और संयम का यह संदेश आज के समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। इस अवसर पर अचल चौधरी, डीपीन जैन, रमेश भण्डारी, प्रकाश भटेवरा, राजकुमार जैन, अरुण मेहता, हंसकुमार जैन, अशोक मंडलीक, समरथमल कोठारी, गजेंद्र बोडाना, अभय झेलावत, स्वप्निल संचेती, गर्वित बोड़ाना, रोहित जेलमी, हनी चोरड़िया, संकेत जैन आदि महानुभाव उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन दीपक जैन टीनू ने किया।

मास्टर प्लान पर फूटा गुस्सा सुनवाई के दौरान जलाया ड्राफ्ट

78 गांवों की कृषि भूमि का लैंडयूज न बदलने की मांग

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

भोपाल। राजधानी के बहुप्रतीक्षित 'भोपाल मास्टर प्लान-2047' के ड्राफ्ट को लेकर अन्नदाताओं का विरोध लगातार उग्र होता जा रहा है। मंगलवार को लालघाटी स्थित हुजूर तहसील कार्यालय में मास्टर प्लान पर दर्ज आपत्तियों की सुनवाई के दौरान किसानों ने जमकर हंगामा किया और आक्रोश जताते हुए ड्राफ्ट की प्रतियां जलाकर अपना विरोध दर्ज कराया। सुनवाई में बड़े तालाब और इसके आसपास के करीब 78 गांवों के सैकड़ों किसान शामिल हुए।

किसानों की एक ही प्रमुख मांग है कि उनकी उपजाऊ कृषि भूमि का लैंडयूज किसी भी हाल में न बदला जाए और उसे केवल खेती के लिए ही सुरक्षित रखा जाए। गौरतलब है कि अकेले इन 78 गांवों के किसानों ने इस मुद्दे पर लगभग 5 हजार आपत्तियां दर्ज कराई हैं, जबकि पूरे मास्टर प्लान के ड्राफ्ट पर अब तक 13,400 से अधिक आपत्तियां प्राप्त हो चुकी हैं, जिन पर सोमवार से सुनवाई का दौर शुरू हुआ है।



रोजी-रोटी का खड़ा हो जाएगा संकट

प्रदर्शनकारी किसानों का कहना है कि खेती ही उनकी आजीविका का एकमात्र साधन है और भूमि उपयोग बदलने से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। किसान नेता अनोखी सिंह पटेल ने मांग की कि ड्राफ्ट से 'भोजताल इन्फ्लुएंस जोन-1' (इके-1) और 'जोन-2' (इके-2) के प्रावधानों को तत्काल हटाया जाए। किसानों का आरोप है कि प्रस्तावित योजना में 78 गांवों की कृषि भूमि को रिवरफ्रंट, फॉरेस्ट, ग्रीन बेल्ट और अन्य आरक्षित श्रेणियों में शामिल किया जा रहा है, जिससे हजारों परिवारों की खेती प्रभावित होगी। किसान सजल जैन ने प्रशासन की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि वर्ष 2023 के ड्राफ्ट में जिसे 'भोजताल कैचमेंट जोन' लिखा गया था, इस बार जनता को भ्रमित करने के लिए उसका नाम बदलकर 'भोजताल इन्फ्लुएंस जोन' कर दिया गया है, ताकि लोगों को आसानी से समझ न आए और आक्रोश न फैले।

वर्ष 2008 से हो रहा जमीनों पर प्रतिबंधों का विरोध

मनोहर सिंह ठाकुर ने बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा वर्ष 2008 से ही भोपाल और सीहोर के करीब 150 गांवों की जमीनों पर लगे प्रतिबंधों का विरोध कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मास्टर प्लान जल्दबाजी में तैयार किया गया है और वर्ष 2031 के प्लान के समय दिए गए आश्वासन के विपरीत इस बार पंचायतों से कोई सहमति नहीं ली गई। किसानों ने दो टूक मांग की है कि भू-उपयोग में किसी भी बदलाव से पहले सभी 78 गांवों में ग्रामसभाएं आयोजित की जाएं और किसानों की सहमति के बाद ही कोई अंतिम निर्णय लिया जाए।

कई इलाकों में आज गुल रहेगी बिजली

भोपाल। शहर के करीब 35 इलाकों में कल 18 नवंबर को 2.30 से 6 घंटे तक बिजली कटौती होगी। इन इलाकों में बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। इसके चलते सप्लाई पर असर पड़ेगा। जानकारी के अनुसार सुबह 7 से 10 बजे तक रेतघाट, हाथीखाना, चार बत्ती चौराहा, चटाईपुरा, बुधवारा एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 1.30 बजे तक सिदी- समृद्धि हाइट्स एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक अशोक विहार, अशोक सम्राट, अंत्योदय नगर, अशोका गार्डन, नगर निगम कॉलोनी, दसमेश नगर, डायमंड सिटी, कस्तूरी कोर्टयार्ड, राजधानी परिसर, चंबल कॉलोनी, गोविंदपुरा मार्केट, गोविंद गार्डन कॉलोनी एवं आसपास। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक न्यू सुभाष नगर, अर्जुन नगर, शालिमार कॉम्प्लेक्स, अशोका इन्क्लेव, पंजाबी बाग, गुरुनानक पुरा, बाग फरहत अफजा, ऐशबाग, जनता क्वार्टर एवं आसपास के इलाके। सुबह 11 से दोपहर 12.30 बजे तक बीडीए कॉलोनी ई-सेक्टर, सलैया, सनखेड़ी एवं आसपास। सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक आरआरजी कॉलोनी, छान में बिजली गुल रहेगी।

ब्रिज से 30 फीट नीचे गिरी कार एक व्यक्ति की मौत, तीन घायल

दिल्ली-मुंबई 8-लेन एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

रतलाम। दिल्ली-मुंबई 8-लेन एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक तेज रफ्तार होंडा सिटी कार अनियंत्रित होकर ब्रिज से करीब 30 फीट नीचे जा गिरी। इस भीषण दुर्घटना में परिवार के मुखिया की मौत हो गई, जबकि पत्नी और दो बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए तत्काल मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में चालक को नींद की झपकी आने से यह हादसा होने की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना 17 नवंबर की सुबह करीब 5:30 बजे शिवगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम वालारुंडी के पास घटित हुई। कार में मुंबई के मीरा रोड इलाके का रहने वाला एक परिवार सवार था, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कानपुर का निवासी है। 60 वर्षीय साबिर अली पिता हसन अली अपनी पत्नी नसीम (45) तथा दोनों बेटों सैफ (30) और जैद (25) के साथ सोमवार शाम करीब 4 बजे मुंबई से कानपुर जाने के लिए रवाना हुए थे। मंगलवार सुबह जब उनकी कार वालारुंडी के समीप पहुंची, तभी अचानक वाहन से नियंत्रण हट गया। कार सड़क किनारे लगी लोहे की रेलिंग (पतरा) और क्रैश बैरियर को तोड़ती हुई सीधे ब्रिज से नीचे जा गिरी।



बड़ा भाई चला रहा था कार

इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे छोटे बेटे जैद ने बताया कि कार बड़ा भाई साबिर अली आगे की सीट पर उनके बगल में बैठे थे, जबकि हादसा कैसे हुआ यह किसी को समझ नहीं आया। सुबह गश्त कर रही एक्सप्रेसवे पेट्रोलिंग टीम ने दुर्घटना की सूचना कंट्रोल रूम को दी और मौके पर पहुंचकर कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला। सभी को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने साबिर अली को मृत घोषित कर दिया। शिवगढ़ थाने के सब इंस्पेक्टर आई.एम. खान ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

मूक-बधिर बैडमिंटन खिलाड़ी ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीता कांस्य

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

भोपाल। मध्य प्रदेश की प्रतिभावान मूक-बधिर बैडमिंटन खिलाड़ी गौरांशी शर्मा ने अपने शानदार खेल का सिलसिला जारी रखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। केरल के तिरुवनंतपुरम में आयोजित 28वीं नेशनल डेफ सीनियर स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के बैडमिंटन मुकाबले में उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता है।

प्रतियोगिता में देश भर से आए दिग्गज बधिर खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाया। वेल्लयंबलम स्थित जिमी जॉर्ज इंडोर स्टेडियम में ऑल इंडिया स्पोर्ट्स काउंसिल ऑफ द डेफ और केरल स्पोर्ट्स काउंसिल ऑफ द डेफ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस चैंपियनशिप में



गौरांशी ने कड़े मुकाबलों के बीच गजब का धैर्य और दमदार खेल दिखाते हुए यह पदक हासिल किया। जन्म से सुनने और बोलने में असमर्थ होने के बावजूद गौरांशी ने कभी अपनी शारीरिक चुनौती को अपनी सफलता के आड़े नहीं आने दिया। इससे पहले भी वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का गौरव बढ़ा चुकी हैं। उन्होंने ब्राजील में आयोजित डेफलिंपिक-2022 में टीम गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा था

जेम पोर्टल खरीद घोटाले पर सरकार सख्त

1,134 करोड़ की खरीदी की जांच के लिए 5 सदस्यीय समिति गठित, 15 दिन में देनी होगी रिपोर्ट

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

भोपाल। मध्य प्रदेश के नगरीय निकायों में जेम पोर्टल और ई-नगर पालिका पोर्टल के माध्यम से हुई सामग्री खरीदी में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं के मामले सामने आने के बाद राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने इस बहुचर्चित खरीद घोटाले की तह तक जाने के लिए एक उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन कर दिया है। यह समिति प्रदेश के नगरीय निकायों में हुई खरीदी की बारीकी से पड़ताल कर आगामी 15 दिनों के भीतर अपनी विस्तृत जांच रिपोर्ट शासन को सौंपेगी। प्रदेश के कुल 374 नगरीय निकायों में से विशेष रूप से चिह्नित 61 निकायों–जिनमें 22 नगर पालिकाएं और 39 नगर परिषदें शामिल हैं–में हुई लगभग 1,134 करोड़ रुपये की सामग्री खरीदी इस जांच के मुख्य दायरे में है।

विभागीय आदेश के अनुसार, जांच समिति एक जनवरी 2024 से 30 सितंबर 2026 की अवधि के दौरान प्रदेश के समस्त नगर



निगमों, नगर पालिकाओं और नगर परिषदों में हुई खरीदी की वास्तविकता, कार्यप्रणाली और अनियमितताओं के लिए अपनाए गए तौर-तरीकों का गहन अध्ययन करेगी। इस जांच के घेरे में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, खरीद समितियों के सदस्य, इंजीनियर और लेखा अधिकारी भी आएंगे।

अधिकारियों, ठेकेदारों की मिलीभगत का लगाया जाएगा पता

समिति संबंधित अधिकारियों, ठेकेदारों और अन्य व्यक्तियों की संदिग्ध भूमिका तथा आपसी मिलीभगत का पता लगाकर उनका उत्तरदायित्व तय करेगी। अनियमितता की पुष्टि होने पर शासकीय धन की क्षति का आकलन कर दोषी अधिकारियों–यहां तक कि सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों–से भी राशि की वसूली (रिकवरी) करने और उन्हें सेवा से बर्खास्त करने जैसी कठोर दंडात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी। इस महत्वपूर्ण जांच के लिए गठित पांच सदस्यीय समिति में संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास के अपर आयुक्त अक्षय तेम्रवाल, प्रमुख अभियंता प्रदीप एस. मिश्रा, उप संचालक सौरभ तिवारी और लेखा अधिकारी सिद्धांत अवस्थी के साथ-साथ संबंधित नगर निगम आयुक्तों तथा संभागीय संयुक्त संचालकों को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, समिति को अन्य नगरीय निकायों में भी इसी प्रकार की संभावित गड़बड़ियों का परीक्षण करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी निगरानी व संस्थागत सुधारों के सुझाव देने का दायित्व भी सौंपा गया है।

सरकारी शिक्षक ने गोली मारकर की आत्महत्या

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

रीवा। विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह सरकारी टीचर ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सिर में गोली लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। शुरूआती जांच में घटना के पीछे पारिवारिक विवाद की बात सामने आ रही है। सूचना मिलने पर विश्वविद्यालय थाना प्रभारी हितेंद्रनाथ शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 10 निवासी सुभाष तिवारी (48) शासकीय स्कूल टीकर में पदस्थ थे। घटना सुबह साढ़े 10 से 11 बजे के बीच की बताई जा रही है। वे कमरे में अकेले थे। पत्नी रसोई में अपना काम रही थी। अचानक गोली चलने की आवाज आई। सभी लोग दौड़कर कमरे में पहुंचे तो खून से लथपथ सुभाष पीठ के बल पड़े थे। पिस्टल छाती पर रखी मिली है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। फोरेंसिक टीम ने आसपास की सभी जरूरी चीजों को जांच के लिए जब्त किया है, जिनके फिंगर प्रिंट के मिलान किए जाएंगे।

परिजनों से जानकारी जुटा रही पुलिस

विश्वविद्यालय थाना प्रभारी हितेंद्रनाथ शर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का लग रहा है। शर्मा के अनुसार परिजन ने भी पारिवारिक कारणों से आत्महत्या किए जाने की बात बताई है। हालांकि परिजन ने ज्यादा बात करने से इनकार कर दिया।

टेक होम राशन: नए साल से निजी आपूर्तिकर्ताओं के हाथों में होगी कमान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

भोपाल। मध्य प्रदेश में छह माह से तीन वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और किशोरवय बालिकाओं को दिए जाने वाले टेक होम राशन (टीएचआर) की व्यवस्था में नए साल से एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। राज्य सरकार ने टीएचआर की आपूर्ति अब निजी आपूर्तिकताओं को सौंपने का निर्णय लिया है, जिसके लिए टेंडर के सभी आवश्यक दस्तावेज तैयार कर लिए गए हैं।

आगामी दिसंबर माह में टेंडर आमंत्रित किए जाएंगे और प्रक्रिया पूरी होने के बाद नए साल में यह नई व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। तब तक आंगनबाड़ी केंद्रों में भोजन तैयार करने वाले स्व-सहायता समूहों के माध्यम से ही पोषाहार की वर्तमान आपूर्ति व्यवस्था सुचारू रूप से जारी रहेगी। गौरतलब है कि इससे पहले टेक होम राशन की



आपूर्ति का जिम्मा आजीविका मिशन के तहत पंजीकृत महिला स्व-सहायता समूहों के परिसंघों को सौंपा गया था। इसके लिए सरकार ने लगभग 102 करोड़ रुपये की लागत से देवास, धार, सागर, मंडला, शिवपुरी, रीवा और नर्मदापुरम जिलों में अत्याधुनिक संयंत्र भी स्थापित किए थे। हालांकि, संचालन में लगातार गड़बड़ियों और आपूर्ति में होने वाले गंभीर विलंब के चलते पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की सहमति से इस पूरी व्यवस्था को वापस महिला एवं बाल विकास विभाग को सौंप दिया गया था। फिलहाल, संयंत्रों का संचालन बंद होने के बाद स्व-सहायता समूहों के जरिए ही राशन भिजवाया जा रहा है।

टेंडर आमंत्रित करने की तैयारियां पूर

महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव जीवी रश्मि ने जानकारी दी है कि टेंडर आमंत्रित करने की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और इस प्रक्रिया में कोई भी पात्र एजेंसी भाग ले सकेगी। चूंकि टेंडर प्रक्रिया को अंतिम रूप देने में डेढ़ से दो महीने का समय लगने की संभावना है, इसलिए तब तक किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए स्व-सहायता समूहों की वर्तमान व्यवस्था को यथावत रखा गया है। वहीं, स्थायी व्यवस्था को लेकर यह भी तय किया गया है कि जब तक भारत सरकार द्वारा पोषाहार की राशि में आधिकारिक तौर पर वृद्धि नहीं की जाती, तब तक कम अवधि के टेंडर के आधार पर ही आपूर्ति की सुचारू व्यवस्था बनाई जाएगी।



सम्पादकीय

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षित करना जरूरी

ऐसे वक्त में जब दुनिया में तकनीकी वर्चस्व वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के केंद्र में आ गया है, 'सैन 'फ्रांसिस्को घोषणा' के गहरे निहितार्थ और महत्व को समझना कठिन नहीं है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस घोषणा पर अमेरिका और भारत सहित नौ अन्य विकसित देशों ने हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता इस बात पर जोर देता है कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के बल पर ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर घोषणा का एक अघोषित उद्देश्य इस उभरती हुई नई प्रौद्योगिकी में चीन के निरंतर बढ़ते दबदबे का मुकाबला करना भी है। चीन ने एक सुनियोजित ढंग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में व्यापक और दीर्घकालीन निवेश किया है। इसमें दो राय नहीं कि उसकी उपलब्धियां अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती देने वाली हैं। यही वजह है कि अमेरिका ने 'सैन फ्रांसिस्को घोषणा' को हकीकत बनाने को प्राथमिकता दी है। अमेरिका दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका के चलते इस दौर को 'सुपर इंटेलिजेंस युग' का नाम देता है। अमेरिका की 'पैक्स सिलिका' पहल एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करती है कि दुनिया का कोई भी देश अकेले बूते पर बेहद जटिल प्रक्रिया वाले एआई इकोसिस्टम की हर कड़ी को सुरक्षित नहीं कर सकता है। उदाहरण के तौर पर देखें तो महत्वपूर्ण खनिजों और सेमीकंडक्टर निर्माण से लेकर ऊर्जा नेटवर्क और डिजिटल बुनियादी ढांचे तक, तकनीकी प्रगति आपस में जुड़ी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भर करती है। इस श्रृंखला में किसी भी तरह का अवरोध किसी भी देश के आर्थिक ढांचे को गहरे तक प्रभावित कर सकता है। दूसरे शब्दों में कहें तो इन नेटवर्कों में यदि किसी भी तरह का व्यवधान पैदा होता है तो उसके दूरगामी आर्थिक और भू-राजनीतिक दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं। जो किसी भी संप्रभु राष्ट्र के लिये, इस सुपर इंटेलिजेंस युग वाले दौर में तमाम चुनौतियां खड़ी कर सकता है।

निश्चित रूप से 'सैन फ्रांसिस्को घोषणा' पर भारत का हस्ताक्षर करना एआई के दौर में हमारी उपलब्धियों की वैश्विक स्वीकार्यता का ही परिचायक है। भारत के लिए अमेरिका और अन्य विकसित देशों के साथ शामिल होना जहां एक ओर अच्छा रणनीतिक अवसर है, वहीं देश को जिम्मेदारियों का अहसास भी कराता है। भारत हालिया वर्षों में एक उभरते हुए टेक्नोलॉजी बाजार के रूप में सामने आया है। भारत की महत्वाकांक्षा वैश्विक सेमीकंडक्टर और मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की रही है। हाल के वर्षों में भारत ने आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और कई मध्यपूर्व के देशों के साथ मजबूत व्यापारिक साझेदारियां की हैं। जाहिर तौर पर ये विकसित व मजबूत आर्थिक देश जब कोई साझेदारी करते हैं तो उन्हें कुछ पाने की ही उम्मीद होती है। ऐसे में भारत इन मजबूत साझेदारियों, विभिन्न आपूर्ति श्रृंखलाओं, निवेश और उन्नत तकनीकों का बेहतर ढंग से लाभ उठा सकता है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि इन भरोसेमंद साझेदारों के साथ सहयोग करने से भारत पहले की तरह चंद देशों पर अत्यधिक निर्भरता कम कर सकता है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में एक देश पर निर्भर रहना आर्थिक संप्रभुता के लिये चुनौती बन सकती है। ऐसे में नये भरोसेमंद साझेदारों के साथ देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में मदद मिल सकती है। विडंबना यह भी है कि यह घोषणा ऐसे समय में सामने आई है, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्रांति की अगुवाई करने वाली शीर्ष कंपनियों में से एक-एनवीडिया विवादों में घिरी है और उसके शेयरों पर प्रतिकूल असर पड़ा है। विवाहेतर संबंधों व कथित चीनी जासूस से संबंधों को लेकर इसके संस्थापक जेनसेन हुआंग को एनवीडिया से बाहर जाना पड़ा है।

अग्निपथ योजना में बदलाव का सही समय

एड. अरुण प्रकाश

लागू होने के चार साल बाद, अग्निपथ योजना के समक्ष पहली बड़ी चुनौती बनी, और सरकार ने चुपचाप नीति में बदलाव कर दिया। गत 4 नवंबर को, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अग्निवीरों की सेवा अवधि में दो साल के विस्तार को मंजूरी दे दी। चार साल का अनुबंध पूरा होने के बाद, जो अग्निवीर योग्यता के आधार पर शीर्ष 25 फीसदी में नहीं आ पाएंगे, उन्हें बतौर नियमित सैनिक शामिल होने का एक और मौका मिलेगा। अगर तो यह वास्तव में योजना को वापस लेने की शुरुआत है, तो स्वागतयोग्य है। लेकिन चार साल बाद ऐसा बदलाव होने पर वह सवाल उठता है जिसका उत्तर 2022 में कभी सही नहीं दिया गया था : सर्वप्रथम, एक समयसिद्ध, सफल व अच्छी तरह स्थापित प्रणाली इतनी जल्दबाजी में क्यों बदली जा रही है?

14 जून, 2022 को प्रेस सूचना ब्यूरो के एक नोट में कहा गया कि इस योजना से 'सशस्त्र बलों का चेहरा युवा रहेगा', 'नया जोश और जज्बा भरेगा' व सेना 'और अधिक तकनीक-कुशल' बनेगी। इसमें देशभक्ति, टीमवर्क, शारीरिक फिटनेस व देश के प्रति निष्ठा जैसे लाभों का भी जिक्र किया गया था।

उक्त 'तर्कों' में से एक भी भर्ती की एक स्थापित प्रणाली, बुनियादी प्रशिक्षण व सैनिकों को चरणबद्ध रूप से शामिल करने की व्यवस्था को ध्वस्त करके, उसकी जगह एक ऐसी योजना लाने को न्यायोचित नहीं ठहराती, जिसे पहले कभी आजमाया नहीं हो और जो मूलतः त्रुटिपूर्ण है। जिन्होंने भर्ती रैलियां देखी हैं या उनके बारे सुना है, वे जानते हैं कि हमारे देश के युवाओं में जोश-जज्बे की कोई कमी नहीं; वे हजारों की संख्या में सेना में शामिल होने आते हैं। हमारी रेजिमेंटों, युद्धपोतों और स्क्वाड्रनों में नियुक्त



फौजियों में देशभक्ति, टीमवर्क और फिटनेस पर कभी कोई सवाल नहीं उठा। साथ ही, 'देश के प्रति वफादारी' पैदा करने का तर्क इतना भी मजबूत नहीं कि इसके लिए कोई ऐसा उपाय किया जाए, जो दीर्घकाल में सशस्त्र बलों के मूल ढांचे पर ही असर डाल दे।

भर्ती की औसत उम्र की घटाना एक अच्छा लक्ष्य लग सकता है, लेकिन उम्र का सीधा संबंध युद्ध लड़ने की क्षमता से नहीं होता। यह क्षमता कौशल से बनती है, और कौशल हासिल करने में समय लगता है। ज्यादातर देहात से आने वाले और हमारी त्रुटिपूर्ण शिक्षा प्रणाली से निकले नए रंगरूटों के लिए चार से छह महीने का बुनियादी प्रशिक्षण नाकाफी है। किसी सैनिक, नाविक या वायुसैनिक को जटिल और महंगे युद्धक उपकरण या हथियार सौंपना या उसको असल युद्ध जैसी स्थितियों में उतारने से पहले, दो-तीन साल का व्यावहारिक एवं काम के दौरान अनुभव पाने हेतु प्रशिक्षित करना अनिवार्य है।

हो सकता है कि कोई नया रंगरूट स्मार्टफोन चलाने में माहिर हो, लेकिन रडार, फायर-कंट्रोल सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल, एयरो-इंजन या साधारण डीजल जनरेटर कैसे काम करते हैं, यह समझने और एक कुशल 'ऑपरेटर' बनने की महारत के लिए उसे महीनों प्रशिक्षण की जरूरत होगी। ऑपरेटरों के साथ 'मेंटेनर' होते हैं, जो इन प्रणालियों की सर्विसिंग करते हैं और खराबियां ठीक करते हैं। इन्हें प्रशिक्षित होने में और ज्यादा समय लगता है। इन सबके ऊपर 'उस्ताद' होते हैं, जिनका दशकों का अनुभव होता है और ये उस्ताद अधिकारियों सहित सबको सिखाते हैं। साढ़े सत्रह साल की उम्र में भर्ती होने वाले हर सैनिक को सिखाने के लिए, सेनाओं को अनुभवी और युद्ध से तपे सूबेदार मेजर, मास्टर चीफ पेटी ऑफिसर और मास्टर वारंट ऑफिसर की जरूरत होती है, जो 54-56 साल की उम्र में रिटायर होते हैं। अगर आप इस व्यवस्था के साथ छेड़छाड़ करेंगे, तो कहीं न कहीं कीमत चुकानी ही पड़ेगी। इसका उदाहरण नौसेना में देखने को मिला, जिसने 2022 में अपना 'आर्टिफिसर कैडर' खो दिया, वह इकाई जो नौसेना के हथियार, सेंसर और मशीनरी के रखरखाव की आपूर्तिकर्ता होती है।

अग्निपथ योजना के तहत, चार साल के कार्यकाल में से अगर बुनियादी प्रशिक्षण, वार्षिक छुट्टी और सेवामुक्त होने से पहले की अवधि घटा दें, तो एक सैनिक की वास्तविक उपलब्धता लगभग तीन साल ही बचती है। इससे कुछ परेशानीकारक सवाल उठते हैं: क्या सेना ऐसे व्यक्ति को तकनीकी स्किल सिखाने में निवेश करना चाहेगी,जिसकी नौकरी जल्द ही खत्म होने वाली हो? क्या अग्निवीर खुद भी इन कौशलों को सीखने में दिलचस्पी लेगा, जब उसका आगे बने रहना ही पक्का न हो? योजना के तथाकथित लाभ दोनों ही पक्षों के लिए गलत दिशा की ओर इंगित करते हैं।

धर्म-ज्योतिष

गोपाष्टमी पर गौ माता की परिक्रमा से दूर होगा तनाव

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को गोपाष्टमी का त्योहार मनाया जाता है। सनातन धर्म में गोपाष्टमी का विशेष आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन से भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने पहली बार गायों को चराना शुरु किया था। इसलिए इस दिन को बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस खास मौके पर गौ माता की पूजा-अर्चना करने का विधान है। इसके साथ ही परिक्रमा करना और चारा खिलाना भी काफी शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गौ पूजन करने से साधक को 33 कोटि देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है और उनकी परिक्रमा करने से सभी तीर्थों के दर्शन के समान पुण्य फल प्राप्त होता है। लेकिन, आपको ये शुभ फल तभी प्राप्त होंगे, जब पूजन नियमों के अनुसार किए जाए। माना जाता है कि गोपाष्टमी के दिन गौ पूजन के दौरान नियमों का पालन न करने से पूजा सफल नहीं होती है।



समसामयिक

RBI को अब देना होगा सख्त नीतिगत संदेश

पिछले सप्ताह राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति दर अक्टूबर में 6.09 फीसदी रही, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सहनशीलता सीमा के ऊपरी स्तर को पार कर गई। पिछले महीने यह दर 5.54 फीसदी थी। इस समाचार पत्र के विश्लेषण से पता चला है कि अक्टूबर 2025 में 0.04 फीसदी के न्यूनतम स्तर पर पहुंचने के बाद से यह दर लगातार 12 महीनों से बढ़ती रही। एक साल बाद, अक्टूबर 2026 में लगभग 9 फीसदी की खाद्य मुद्रास्फीति दर समग्र मुद्रास्फीति दर का प्रमुख कारण है, हालांकि मुख्य मुद्रास्फीति दर में भी मामूली वृद्धि हुई है। आने वाले महीनों में मुद्रास्फीति का दबाव जारी रहने की संभावना है।

लगभग सभी अर्थशास्त्री इस बात से सहमत हैं कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) अक्टूबर की बैठक में नीतिगत रीपो दर 25 आधार अंकों की वृद्धि के साथ 5.5 फीसदी तय किए जाने के बाद दिसंबर की बैठक



में इसे और 25 आधार अंक बढ़ाएगी। एमपीसी ने अक्टूबर में चालू तिमाही के लिए खुदरा मुद्रास्फीति दर 6 फीसदी और मार्च अंत वाली तिमाही के लिए 5.7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था। वर्ष 2027-28 की पहली तिमाही के लिए यह दर 5.6 फीसदी रहने का अनुमान था। मुद्रास्फीति के नवीनतम आंकड़ों ने वास्तविक रीपो दर को ऋणात्मक स्तर पर धकेल दिया है, जिससे नीतिगत दर में समायोजन आवश्यक हो गया है। दिसंबर की बैठक और उसके बाद होने वाले समायोजन की मात्रा कई कारकों पर निर्भर करेगी, जैसे कि अगले वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान, खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के माध्यम से होने वाले अप्रत्यक्ष प्रभावों की संभावना और वास्तविक नीतिगत दर का स्तर जिसे इस समय केंद्रीय बैंक बनाए रखने का इच्छुक है। आरबीआई के अर्थशास्त्रियों द्वारा किए गए एक पूर्व अध्ययन में तटस्थ दर-वास्तविक नीति दर जो न तो बढ़त और न ही संकुचन को दिखाता है-को 1.4-1.9 फीसदी पर आंका गया था। संभव है कि इसमें बदलाव हुआ हो। यहां तक कि अगर आरबीआई वास्तविक नीति दर को 1-1.25 फीसदी पर बनाए रखने में सहज महसूस करता है, तब भी रीपो दर में लगभग 50-7 5 आधार अंकों का समायोजन करना होगा, क्योंकि केंद्रीय बैंक को अपनी नवीनतम अर्धवार्षिक मौद्रिक नीति रिपोर्ट (अक्टूबर) के अनुसार 2026-27 में मुद्रास्फीति दर औसतन 5 फीसदी रहने की उम्मीद है। हालांकि, बहुत कुछ मुद्रास्फीति अनुमानों में संभावित बदलावों पर निर्भर करेगा।

व्यापार

वेदांता चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने ओएनजीसी को ऑयल ब्लॉक सौंपने पर उठाए सवाल

इससे निवेशकों के बीच जाएगा गलत संदेश

मृदुभाषी। नई दिल्ली

वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने उनकी कंपनी से तेल और गैस ब्लॉक का संचालन लेकर सरकारी कंपनी ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) को सौंपे जाने के फैसले पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। मंगलवार, 17 नवंबर को उन्होंने इस कदम को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि सरकार के इस प्रकार के फैसलों से निवेशकों के बीच गलत संदेश जा सकता है। अग्रवाल ने सरकार से अपील की है कि वे नीतियों में स्थिरता बनाए रखें और देश में पहले से काम कर रही कंपनियों के संचालन में किसी भी तरह की बाधा न डालें।

यह पूरा विवाद गुजरात के समुद्री क्षेत्र में स्थित महत्वपूर्ण कांबे तेल एवं गैस ब्लॉक से जुड़ा हुआ है। हाल ही में उनकी कंपनी के इस चालू तेल क्षेत्र का संचालन कानूनी प्रक्रियाओं के तहत ओएनजीसी को सौंप दिया गया था।



दिल्ली उच्च न्यायालय के एक फैसले के बाद जुलाई 2026 में ओएनजीसी ने इस ब्लॉक का संचालन अपने हाथों में ले लिया था। अग्रवाल का मानना है कि इस तरह के अचानक फैसलों से विदेशी निवेशकों का भारत की विनियामक व्यवस्था से भरोसा प्रभावित हो सकता है। अनिल अग्रवाल ने जानकारी दी कि वेदांता ऑयल एंड गैस वर्तमान में देश की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की तेल एवं गैस उत्पादक कंपनी है। कंपनी देश में ऊर्जा उत्पादन को गति देने के लिए पांच अरब डॉलर का भारी-भरकम निवेश करने की योजना पर काम कर रही है। इस योजना के तहत कंपनी का मुख्य लक्ष्य रोजाना के तेल और गैस उत्पादन को बढ़ाकर तीन लाख से पांच लाख बैरल तक पहुंचाना है, हालांकि उन्होंने इस लक्ष्य को हासिल करने की कोई निश्चित समयसीमा साझा नहीं की है। कंपनी के हालिया नियामकीय दस्तावेजों के अनुसार, जुलाई से सितंबर तिमाही के दौरान वेदांता ऑयल एंड गैस का कुल उत्पादन लगभग 72,200 बैरल प्रतिदिन तेल और उसके समतुल्य गैस रहा है अग्रवाल ने सुझाव दिया कि तेल और गैस क्षेत्र में पुरानी मंजूरी आधारित व्यवस्था के स्थान पर कंपनियों द्वारा खुद नियमों के पालन का प्रमाण देने वाली (सेल्फ-सर्टिफिकेशन) व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए। उनका मानना है कि भारत ने इस सेक्टर में एक बेहतर नीतिगत ढांचा तैयार किया है और देश के पास तेल एवं गैस अन्वेषण के लिए और अधिक विदेशी तथा घरेलू निवेश आकर्षित करने की पूरी क्षमता है।

ऊर्जा क्षेत्र की अपार संभावनाएं और नीतिगत स्थिरता की मांग

भारत के ऊर्जा बाजार की क्षमता का जिक्र करते हुए अग्रवाल ने कहा कि देश में तेल और गैस की खोज तथा उत्पादन बढ़ाने के लिए बहुत बड़े अवसर मौजूद हैं। उन्होंने इसकी तुलना गुयाना का उदाहरण देते हुए की, जो पिछले एक दशक में दुनिया के एक प्रमुख तेल उत्पादक केंद्र के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर निवेशकों में भारत के इस क्षेत्र को लेकर काफी उत्साह है, ऐसे में सरकार का यह दायित्व है कि वह नीतियों में निरंतरता और स्थिरता कायम रखे।

बदल रहा है भारत के कर्ज लेने का मिजाज

गोल्ड लोन में 60.6% की ऐतिहासिक छलांग

मृदुभाषी। नई दिल्ली

देश के खुदरा कर्ज बाजार में एक बड़ा और दिलचस्प बदलाव देखने को मिल रहा है। अब भारतीय उपभोक्ता अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए सोना गिरवी रखकर कर्ज लेने और रोजमर्रा के घरेलू उपकरणों के लिए फाइनेंस कराने की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। क्रेडिट सूचना कंपनी क्रिफ (CRIF) की मंगलवार को जारी 'हाउ इंडिया लेंड्स- क्रेडिट लैंडस्केप इन इंडिया' (सितंबर 2026 संस्करण) की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2026 तक देश का कुल खुदरा कर्ज बाजार 18.8 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी के साथ 185.2 लाख करोड़ रुपये के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है। इस दौरान गोल्ड लोन का बाजार सबसे तेज 60.6 फीसदी की छलांग लगाकर 23.3 लाख करोड़ रुपये का हो गया है।

देश के कुल खुदरा कर्ज बाजार में होम लोन की हिस्सेदारी अब भी सबसे ज्यादा बनी हुई है। सितंबर 2026 तक कुल होम लोन का बकाया 10.4 फीसदी बढ़कर 46.4 लाख करोड़ रुपये रहा, जो कुल खुदरा बाजार का 25.1 फीसदी हिस्सा है। वहीं, पर्सनल लोन का आकार 13.8 फीसदी बढ़कर



17.5 लाख करोड़ रुपये और ऑटो लोन 18.2 फीसदी की वृद्धि के साथ 10.2 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इसके अलावा संपत्ति गिरवी रखकर लिए जाने वाले कारोबारी कर्ज में 45.2 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 19.6 लाख करोड़ रुपये हो गया। गोल्ड लोन की श्रेणी में एक बेहद रोचक ट्रेंड सामने आया है। जुलाई से सितंबर 2026 की दूसरी तिमाही में नए गोल्ड लोन के खातों की संख्या में भले ही 4.1 फीसदी की मामूली गिरावट आई हो, लेकिन कर्ज की कुल रकम 27.2 फीसदी बढ़कर 8.15 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इसका सीधा मतलब यह है कि अब लोग औसतन ज्यादा बड़ी रकम का गोल्ड लोन ले रहे हैं, जिसका औसत आकार 32.7 फीसदी बढ़कर 2.21 लाख रुपये हो गया है। इस बाजार में दक्षिण भारतीय राज्यों का एकतरफा दबदबा कायम है, जहां कुल गोल्ड लोन बकाया की 70 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी मौजूद है। क्रिफ की रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि कर्ज लेने की यह लहर अब केवल दिल्ली, मुंबई या बेंगलुरु जैसे महानगरों तक सीमित नहीं रही है। छोटे शहरों, कस्बों और ग्रामीण इलाकों में कर्ज की मांग में जबरदस्त तेजी आई है। वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में घरेलू सामान खरीदने के लिए लिए गए नए कर्ज की कुल रकम का 45.9 फीसदी हिस्सा देश के शीर्ष 100 शहरों के बाहर से आया है।

दूसरी तिमाही में घटकर 7.5% रह सकती है जीडीपी वृद्धि दर

मृदुभाषी। नई दिल्ली

दुनिया भर में जारी आर्थिक अनिश्चितताओं और देश में कमजोर मानसून के दोहरे दबाव के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर में नरमी के संकेत मिल रहे हैं। घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा (ICRA) के ताजा आकलन के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर घटकर 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यदि यह अनुमान सटीक साबित होता है, तो यह पिछली पांच तिमाहियों में विकास दर का सबसे निचला स्तर होगा। इससे पहले चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई थी, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था ने 8.2 प्रतिशत की मजबूत रफ्तार हासिल की थी। इक्रा ने अपने बयान में स्पष्ट किया है कि दूसरी तिमाही में विकास दर में आने वाली यह सुस्ती भले ही हल्की हो, लेकिन इसका दायरा व्यापक रहेगा और इसका प्रभाव कृषि, औद्योगिक तथा सेवा- तीनों प्रमुख क्षेत्रों पर दिखाई देगा। रेटिंग एजेंसी के विश्लेषण के मुताबिक, कमजोर और असमान बारिश के कारण दूसरी तिमाही में कृषि क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित होने वाला है, जिसकी वृद्धि दर पहली तिमाही के 3.6 प्रतिशत से सिमटकर महज 0.2 प्रतिशत पर आने का अनुमान है। इसी तरह, विनिर्माण और औद्योगिक गतिविधियों की वृद्धि दर भी पहली तिमाही के 7.7 प्रतिशत के मुकाबले घटकर 7.2 प्रतिशत रहने का आकलन किया गया है।

क्रिकेट से कॉरपोरेट तक 'कैप्टन कूल'

धोनी ने खड़ा किया 1200 करोड़ का कारोबारी साम्राज्य

मृदुभाषी। नई दिल्ली

क्रिकेट की 22 गज की पिच अपनी चतुर कप्तानी से मैच का पासा पलटने वाले महेंद्र सिंह धोनी अब कॉरपोरेट और स्टार्टअप जगत में भी उसी रणनीतिक सूझबूझ के साथ नई पारी खेल रहे हैं। 17 नवंबर 2026 को आईपीएल से एक खिलाड़ी के रूप में संन्यास लेने के बाद धोनी अब 2027 से चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के मेंटर की भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि, खेल के मैदान से इतर उनकी पहचान अब एक सफल एंजेल निवेशक और आंत्रप्रेन्योर (उद्यमी) के रूप



में पूरी तरह स्थापित हो चुकी है। वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, धोनी की कुल अनुमानित संपत्ति 1,060 करोड़ रुपये से 1,200 करोड़ रुपये (लगभग 127 मिलियन डॉलर से 145 मिलियन डॉलर) के बीच आंकी गई है। उनकी अनुमानित मासिक आय 4 करोड़ रुपये से 5 करोड़ रुपये है। धोनी की संपत्ति की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह पारंपरिक नकदी तक सीमित रहने के बजाय एसेट और इक्विटी-हैवी है, जो भविष्य के वैल्यूएशन पर आधारित है। वर्ष 2008 से 2026 तक के 19 सीजन में धोनी ने वेतन और रिटेंशन फीस के जरिए करीब 197 करोड़ से 200.72 करोड़ अर्जित किए। वर्ष 2025 और 2026 में 'अनकैप्ड प्लेयर' नियम के तहत 4 करोड़ की कम सैलरी लेने के बावजूद, यह चेन्नई सुपर किंग्स की ब्रांड वैल्यू (2,300 करोड़ रुपये) को मजबूती देने और अपने निजी ब्रांड को बनाए रखने की एक रणनीतिक तरकीब थी।

समय पर किस्त नहीं चुकाने के मामलों ने बढ़ाई चिंता

कर्ज बाजार की इस तेज रफ्तार के बीच किस्त चुकाने में देरी के बढ़ते मामलों ने वित्तीय संस्थानों के लिए खतरे की घंटी भी बजाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, पर्सनल लोन में 91 से 180 दिन तक बकाया रहने वाले कर्ज का अनुपात बढ़कर 1.1 फीसदी और गोल्ड लोन में 31 से 90 दिन तक बकाया रहने वाले कर्ज का अनुपात बढ़कर 1.3 फीसदी हो गया है। विशेष रूप से 50,000 रुपये से कम के घरेलू सामान के कर्ज और एक लाख रुपये से कम के दोपहिया वाहन ऋणों में शुरुआती दबाव दिखाई दे रहा है। रिपोर्ट में किसी बड़े संकट से इनकार किया गया है, लेकिन बैंकों और कंपनियों को इन खातों पर कड़ी निगरानी रखने की सलाह दी गई है।

शादी समारोह के बाद फेंकी गई थी सामग्री, आक्रोशित हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन कर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा, कार्यवाही की मांग

दूषित खाद्य सामग्री खाने से हुई पांच गोवंश की मौत, 16 की हालत गंभीर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

नलखेड़ा। नगर में एक बेहद दुखद और संवेदनशील मामला सामने आया है। यहां एक शादी समारोह का बचा हुआ वेस्टेज खाना खुले में फेंकने व उसे नगर में विचरण करने वाले गोवंशों द्वारा खाने से जहां 5 गौवंश की मौत हो गई वहीं 16 से अधिक गोवंश की हालत गंभीर बनी हुई है। बीमार गौवंश का उपचार फिलहाल पशु चिकित्सकों की देख रेख में चल रहा है। घटना से आक्रोशित हिंदू संगठनों ने मंगलवार को ही शिवाजी चौराहे पर विरोध प्रदर्शन कर थाना प्रभारी शशि उपाध्याय को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की गई। इधर मामले में पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई है।

हिंदू संगठनों द्वारा थाना प्रभारी को सौंपे गए शिकायती आवेदन के अनुसार, एक-दो दिन पूर्व नलखेड़ा निवासी अयान पिता अली हुसैन लखेरा के यहां शादी समारोह था। कार्यक्रम में शाकाहारी और मांसाहारी (वेज एवं नॉनवेज) दोनों प्रकार का भोजन बनवाया गया था। आरोप है कि समारोह समाप्त होने के बाद बचे हुए भोजन को सुरक्षित स्थान पर डिस्पोज (नष्ट) करने के बजाय खुले में ही फेंक दिया गया। खुले में पड़े इस सड़े-गले भोजन को क्षेत्र में विचरण करने वाले गौवंश ने खा लिया। विषाक्त भोजन खाने से गौवंश की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी,



जिसके चलते अब तक 5 गौवंश दम तोड़ चुके हैं। वहीं, 16 से अधिक गौवंश की स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है, जिनका पशु चिकित्सकों की देखरेख में इलाज जारी है।

गौवंश की मौत की खबर फैलते ही हिंदू संगठनों के कार्यकताओं में भारी रोष व्याप्त हो गया। मंगलवार को कार्यकताओं ने शिवाजी चौराहे पर एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासन से इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार व्यक्ति के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। जिसके बाद पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज किया है।

नगर परिषद ने करवाई मुनादी

नगर में घटित इस घटना के बाद नगर परिषद नलखेड़ा द्वारा ध्वनि विस्तारक यंत्र के माध्यम से नगर में मुनादी करवाई गई है कि मांगलिक कार्यो या अन्य कोई आयोजन के बाद वेस्टेज खाद्य पदार्थ का निष्पादन व्यवस्थित तरीके से करवाया जाए। अगर इसको लेकर कोई घटना घटित होती है तो उसके लिए संबंधित के खिलाफ कार्यवाही की जावेगी।

इनका कहना है...

मंगलवार सुबह सूचना प्राप्त हुई कि नलखेड़ा में कुछ गोवंश मूर्छित अवस्था में है और चल नहीं पा रहा है, चक्कर आकर गिर रहे हैं, तथा मुंह से झाग आ रहा है। सूचना पर हम लोग तत्काल पहुंचे सबसे पहले मैं मौके पर पहुंचा फिर वह पर गौसेवकों को बुलवाया गया तथा गायों का उपचार प्रारंभ किया गया। 15 -16 गायों का इलाज मेरे द्वारा किया गया। जिसमें से चार-पांच गौवंश की मौत हो गई। जिन गायों की मौत हो गई उनका पीएम कर सैंपल जांच हेतु भेजा जाएगा।

-डॉ संदीप नागर
पशु चिकित्सा अधिकारी नलखेड़ा
जिला आगर मालवा

मंगलवार को गौवंश रक्षक व हिंदू संगठन द्वारा शिवाजी चौराहे पर एकत्रित होकर सामूहिक रूप से ज्ञापन दिया गया था। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि एक शादी समारोह नलखेड़ा में हुआ था। जहां कुछ वेस्टेज पदार्थ को खाने से कुछ गोवंशो की मौत हो गई तथा कुछ का उपचार जारी है। जिसको लेकर आवेदन पत्र पर हमारे द्वारा जांच की गई तथा वर्तमान में थाना नलखेड़ा पर एक एफआईआर दर्ज की गई है। अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपी उसमें अली हुसैन है, जिसके खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

शशि उपाध्याय
थाना प्रभारी पुलिस थाना नलखेड़ा

गोपाष्टमी पर उमड़ा गौभक्तों का सैलाब, जनप्रतिनिधियों ने की पूजा

श्रद्धालुओं ने भी गौशाला पहुंचकर गौ माता की पूजन कर गो ग्रास खिलाया

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खंडवा। गोपाष्टमी महापर्व पर मंगलवार को श्रीगणेश गौशाला में आस्था और सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। सुबह से ही गौपूजन और गौग्रास कराने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। गौशाला परिसर गोकुल धाम के रूप में नजर आया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे पंडित चंद्रशेखर शर्मा के मंत्रोच्चार के साथ गौपूजन के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारत-तिब्बत समन्वय संघ के राष्ट्रीय संयोजक हेमेन्द्र प्रताप सिंह तोमर (लखनऊ), विधायक नारायण पटेल, मदन भाऊ ठाकरे, परमजीत सिंह नारंग, समिति अध्यक्ष राकेश बंसल, रामचंद्र मौर्य, भूपेंद्र सिंह चौहान, आशीष चटकेले सुनील जैन, निहारिका बंसल ने पंडित चंद्रशेखर शर्मा एवं अश्विन खेड़े के सानिध्य में भगवान श्रीकृष्ण और गौमाता का विधि-विधान से पूजन किया। इसके बाद गौग्रास कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

गौसेवा और संरक्षण का दिया संदेश

भारत-तिब्बत समन्वय संघ के राष्ट्रीय संयोजक हेमेन्द्र प्रताप सिंह तोमर ने गोपाष्टमी के अवसर पर गौसंरक्षण और भारतीय



संस्कृति में गौमाता के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने गौसेवा को भारतीय परंपरा और सामाजिक दायित्व से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य बताया। उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण को पाने के लिए गौ माता का पूजन जरूरी है वही शिव को पाने के लिए नंदी की पूजा आवश्यक है।महापौर अमृता यादव ने गौशाला समिति द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि गौमाता की सेवा और संरक्षण के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे आना चाहिए। गौशालाएं केवल गौवंश के संरक्षण का केंद्र नहीं, बल्कि सेवा और संवेदना की भावना को मजबूत करने का माध्यम भी हैं।

गौशाला में संचालित सेवा गतिविधियों की सराहना

विधायक नारायण पटेल ने गौसेवा को पुण्य का कार्य बताते हुए गौशाला में संचालित सेवा गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि गौमाता की देखभाल और संरक्षण के लिए सामूहिक सहभागिता जरूरी है।मदन भाऊ ठाकरे और परमजीत सिंह नारंग ने भी गोपाष्टमी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए गौशाला समिति के सेवा कार्यों की सराहना की।

15 एकड़ भूमि पर बनेगी गौशाला

समिति अध्यक्ष राकेश बंसल ने बताया कि श्रीगणेश गौशाला में लगभग 300 गायों की देखभाल और सेवा की जा रही है। गौसेवा के साथ मानव सेवा और पक्षी सेवा के कार्य भी वर्षों से संचालित हैं। उन्होंने बताया कि समिति और शहर के गौभक्तों के सहयोग से गौशाला की 15 एकड़ भूमि पर करोड़ों रुपये की लागत से एक और गौशाला का निर्माण प्रस्तावित है। यहां भी गौमाताओं की सेवा की जाएगी। उन्होंने इस कार्य में सभी से सहयोग की अपील की। समाज सेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि इस अवसर पर गौशाला में कार्यरत महिला एवं पुरुष कर्मचारियों को गृह उपयोगी सामग्री भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रकाश रत्नपारखी, ज्योति तोमर, सुनील जैन, बुरहानपुर के ओमी शर्मा, बलराज नवानी, राकेश पूर्वे, भावेश बिल्लौरे, सुनील बंसल, अखिलेश गुप्ता, रामकुमार अग्रवाल, महेंद्र शर्मा, सेवादास पटेल, श्रुति जैन, योगिता माहेश्वरी, ओमप्रकाश दशोरे, पंकज अग्रवाल, राकेश मालवीया, अखिलेश परदेशी, राजू जोशी सहित बड़ी संख्या में गौभक्त उपस्थित रहे। संचालन भूपेंद्र सिंह चौहान ने किया तथा आभार रामचंद्र मौर्य ने माना।

चीनोर-करहिया में 5400 किलो गुड़-लहान नष्ट, 5 प्रकरण दर्ज

5 लाख 40 हजार का माल पकड़ा, लगातार होती रहेगी कार्रवाई

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

डबरा/चीनोर। अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग ने चीनोर-करहिया क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 5400 किलो गुड़-लहान बरामद कर मौके पर नष्ट कर दिया।

इस कार्रवाई में आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत कुल 5 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। बरामद लहान का अनुमानित मूल्य लगभग 5,40,000 रुपये बताया गया है।

गड्ढों में छिपा था लहान

आबकारी विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि क्षेत्र में अवैध रूप से कच्ची शराब बनाने का काम चल रहा है। सूचना पर टीम ने दुबहा-दुबही, चक कटना, लाला डांडा एवं नाले पर छापामार कार्रवाई की। जांच के दौरान टीम को नाले पर प्लास्टिक की



टंकियों एवं जमीन में बने गड्ढों में गुड़-लहान भरा हुआ मिला। टीम ने सैंपल लेने के बाद पूरे लहान को मौके पर ही नष्ट कर दिया। उक्त कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी आमीन खान तथा आबकारी उप निरीक्षक हरेंद्र मावई, सतेंद्र सिंह मीणा एवं मुख्य आरक्षक रवि बघेल, सुनील सिंह एवं आरक्षक कपिल गुगनानी, राजेंद्र जोनवर, भरत जाटव, प्रदीप हिंडौनिया, राहुल त्यागी, राघवेंद्र भदौरिया, चेतन जयंत, नीतू राजावत, रुचि कुशवाह, दिव्यांश गौर, बादल अहिरवार, पवन यादव एवं अन्य स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आबकारी विभाग ने कहा है कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। जहां भी अवैध शराब बनाने या बेचने की सूचना मिलेगी, वहां सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ब्रजधाम हवेली में अन्नकूट महोत्सव 18 नवंबर को, लगेगा 56 भोग

खरगोन। शहर की अवनीग्राम कॉलोनी स्थित श्री ब्रजधाम हवेली में भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और आस्था के बीच अन्नकूट महोत्सव एवं मनोरथों का भव्य आयोजन किया जा रहा है। 18 नवंबर को आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में शयन दर्शन, राजभोग दर्शन, दीपदान, गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महोत्सव के विशेष दर्शन होंगे। ब्रजधाम हवेली के व्यवस्थापक नवनीत महाजन और ट्रस्टी नरेंद्र गांधी ने बताया कि 18 नवंबर को सुबह राजभोग दर्शन के साथ भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन पूजा के दर्शन होंगे।

सहायक आयुक्त ने छात्रावासों का किया निरीक्षण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। सहायक आयुक्त डॉ. कविता आर्य ने ग्राम बरूड़ में औचक निरीक्षण कर बालक हायर सेकेंडरी स्कूल बरूड़, कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल बरूड़,कन्या छात्रावास बरूड़,बालक छात्रावास बरूड़ और हाई स्कूल कोठा खुर्द का निरीक्षण किया एवं छात्रावासों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने शैक्षणिक गतिविधियों एवं विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का अवलोकन



किया। साथ ही बच्चों से संवाद कर उनकी पढ़ाई एवं छात्रावास की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। छात्रावासों में विद्यार्थियों को परोसे जाने वाले भोजन को डॉ. आर्य ने स्वयं चखकर उसकी गुणवत्ता जांची, जो संतोषजनक पाई गई। स्कूलों के निरीक्षण के दौरान कंप्यूटर कक्षा के बेहतर संचालन के लिए महिला अतिथि शिक्षिका रखने के निर्देश संबंधित स्कूल संचालकों को दिए गए। वहीं कुछ स्कूलों में बाउंड्रीवाल निर्माण कराने के निर्देश भी दिए गए। सहायक आयुक्त ने हाई स्कूल कोठा खुर्द का भी निरीक्षण किया।

सहायक आयुक्त डॉ. आर्य ने संस्था प्रमुखों को स्कूलों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बाइकों की भिड़ंत में मासूम सहित 3 की मौत

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अनूपपुर। मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम खोडरी में मंगलवार को एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। जराटोला ग्राम पंचायत अंतर्गत आरोग्यधाम मंदिर के ठीक सामने दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में एक मासूम बच्चे सहित तीन लोगों की मौत होने की खबर है, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार दोनों बाइकों पर बच्चों सहित कुल सात लोग सवार थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सड़क पर घायल लोग पड़े रहे और घटनास्थल पर अफरा-तफरी का



माहौल बन गया।

घायल को कराया गया है अस्पताल में भर्ती

घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर दोपहिया वाहनों पर क्षमता से अधिक सवारी बैठाने और तेज रफ्तार से वाहन चलाने के खतरों को उजागर कर दिया है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। मृतकों और घायलों की पहचान तथा हादसे के कारणों की आधिकारिक पुष्टि पुलिस की जानकारी के बाद अपडेट की जाएगी।

महोत्सव | **30 क्विंटल सब्जी प्रसादी का वितरण, बड़ी संख्या में उमड़े भक्तजन**

माँ मनकामनेश्वरी माताजी में हुआ भव्य अन्नकूट

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आलीराजपुर। नगर के बोरखड़ स्थित मां मनकामनेश्वरी माताजी मंदिर में मंगलवार को प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भव्य अन्नकूट महोत्सव का आयोजन पूरी श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ किया गया। मां मनकामनेश्वरी माताजी के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का नजारा उस समय देखने को मिला, जब सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। देखते ही देखते हजारों की संख्या में श्रद्धालु अन्नकूट महोत्सव में शामिल होने पहुंचे। इस धार्मिक आयोजन में 7 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मां की महाप्रसादी ग्रहण की।

अन्नकूट महोत्सव के अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक विधि-विधान के साथ



मां मनकामनेश्वरी माताजी की भोग आरती की गई। भोग आरती संपन्न होने के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी वितरण प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर करीब 30 क्विंटल सब्जी प्रसादी तैयार की गई, जिसका हजारों श्रद्धालुओं के बीच वितरण हुआ। आलीराजपुर नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तों ने प्रसादी ग्रहण कर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बना रहा।

जनप्रतिनिधियों ने हाथों से किया प्रसादी वितरण

अन्नकूट महोत्सव में मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश पटेल, जोबट विधायक सेना महेश पटेल एवं आलीराजपुर के पूर्व विधायक मुकेश पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। तीनों जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धालुओं के बीच पहुंचकर स्वयं अपने हाथों से सब्जी प्रसादी वितरित की और सेवा कार्य में सहभागिता निभाई। जनप्रतिनिधियों द्वारा स्वयं प्रसादी वितरण किए जाने के दौरान श्रद्धालुओं में भी खासा उत्साह देखने को मिला।

पटेल फार्म हाउस बोरखड़ में भोजन की व्यवस्था

महोत्सव के दौरान धार्मिक आयोजन में शामिल होने आए अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों के लिए बोरखड़ स्थित पटेल फार्म हाउस में भोजन की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम के पश्चात महेश पटेल, विधायक सेना महेश पटेल एवं पूर्व विधायक मुकेश पटेल सहित उपस्थित अतिथियों ने पटेल फार्म हाउस में भोजन ग्रहण किया।

आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता

मां मनकामनेश्वरी माताजी के अन्नकूट महोत्सव में 7 हजार से अधिक श्रद्धालुओं की सहभागिता और 30 क्विंटल सब्जी प्रसादी का वितरण आयोजन की भव्यता का प्रतीक रहा। इस आयोजन में पटेल परिवार, मंदिर समिति के सदस्यों एवं सहयोगियों ने व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सभी के सहयोग एवं सहभागिता से महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आयोजकों ने महोत्सव में आए सभी श्रद्धालुओं, क्षेत्रवासियों एवं प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। साथ ही मां मनकामनेश्वरी माताजी से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली बनाए रखने की मंगलकामना की।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर, 22 को निकलेगा नगर कीर्तन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

मंडलेश्वर। सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व को लेकर मंडलेश्वर स्थित गुरुद्वारा साहिब में श्रद्धा और उत्साह के साथ विभिन्न धार्मिक आयोजनों की तैयारियां की जा रही हैं। इस पावन अवसर पर गुरुद्वारा साहिब में धार्मिक कार्यक्रमों के साथ प्रभात फेरियों, नगर कीर्तन और गुरु के अटूट लंगर का आयोजन किया जाएगा।

आयोजन की रूपरेखा के अनुसार 21 नवंबर तक लगातार छह दिनों तक प्रभात फेरियां निकाली जाएंगी। वहीं, 22 नवंबर रविवार को भव्य नगर कीर्तन निकाला जाएगा। नगर कीर्तन गुरुद्वारा साहिब से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों एवं बाजारों से होते हुए पुनः गुरुद्वारा साहिब पहुंचेगा। नगर कीर्तन में



गुरु साहिब की पालकी के साथ सिख समाज के श्रद्धालु एवं संगत शामिल होंगे। इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा गुरु महिमा का गुणगान किया जाएगा।

गुरु का अटूट लंगर भी रखा जाएगा

आयोजन के दौरान संगत के लिए गुरु का अटूट लंगर भी रखा जाएगा। लंगर में पूरी, सब्जी, शरबत सहित विभिन्न व्यंजनों की व्यवस्था रहेगी। नगर कीर्तन के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की विशेष व्यवस्था की जाएगी।इसके साथ ही 24 नवंबर मंगलवार को श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर गुरुद्वारा साहिब में विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। समाज के सदस्यों द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैयारियां की जा रही हैं।

सिख समाज की ओर से समस्त श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से अपील की गई है कि वे सभी धार्मिक आयोजनों में समय पर पहुंचकर गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त करें और सेवा-सिमरन में सहभागी बनें।

कब्रिस्तान रेलवे ओवर ब्रिज बनने में हो रही देरी पर भड़का आक्रोश

कांग्रेसियों ने किया चक्काजाम पुलिस के साथ हुई धक्कामुक्की

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

महू। किशनगंज स्थित कब्रिस्तान रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण में बीते पांच वर्षों से हो रही देरी और बदहाल सर्विस रोड से त्रस्त जनता की आवाज उठाते हुए मंगलवार को युवक कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। महू विधानसभा युवक कांग्रेस अध्यक्ष ओम पटेल के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकताओं ने महू-इंदौर मार्ग को जाम कर दिया।

करीब दो घंटे तक चले इस चक्काजाम के दौरान पुलिस और कार्यकताओं के बीच हल्की-फुल्की धक्का-मुक्की और नोकझोंक भी हुई। अंततः लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, निर्माण एजेंसी और तहसीलदार द्वारा दिए गए ठोस आश्वासन के बाद आंदोलन समाप्त किया गया। इस दौरान अध्यक्ष ओम पटेल ने दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अप्रैल 2027 तक ब्रिज का निर्माण पूरा कर इसे चालू नहीं किया गया, तो वे आत्मदाह करने को मजबूर होंगे।



सर्विस रोड बड़े-बड़े गड्ढों और धूल से भरी

उल्लेखनीय है कि राऊ-मंडलेश्वर मार्ग पर मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा 18 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से इस रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण किया जा रहा है, जो कछुआ चाल से चलने के कारण अब तक अधूरा है। निर्माण स्थल के पास बनी सर्विस रोड बड़े-बड़े गड्ढों और धूल से भरी पड़ी है, जिससे रोजाना महू से इंदौर जाने वाले नौकरीपेशा लोगों, छात्र-छात्राओं और इंदौर रेफर किए जाने वाले गंभीर मरीजों को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। इसी के विरोध में आयोजित प्रदर्शन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े, जीतू ठाकुर, शहर अध्यक्ष अमित अग्रवाल, गोविंद शर्मा, रवीश जादम, बैकुंठ पटेल, देवेंद्र अग्रवाल, कन्हैयालाल ठाकुर, राकेश पाटीदार, मोहन अग्रवाल, शिखा अग्रवाल और शमा खान सहित बड़ी संख्या में पंच, सरपंच और पार्षद शामिल हुए।

विधायक ने दिया चक्काजाम को नौटंकी करार

इस आंदोलन की आंच को देखते हुए स्थानीय विधायक उषा ठाकुर ने एक दिन पहले ही निर्माण स्थल का दौरा कर अधिकारियों को सर्विस रोड का तत्काल डामरीकरण करने और 30 मार्च तक ब्रिज पूरा करने की डेडलाइन दी थी। कांग्रेस के चक्काजाम को 'कोरी नौटंकी' करार दिया है। इस बयान पर धरना स्थल पर कांग्रेस नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। दो घंटे तक चले इस जाम से यातायात बाधित रहा, हालांकि कांग्रेस कार्यकताओं ने मानवता दिखाते हुए एम्बुलेंस और बीमार मरीजों के वाहनों को स्वयं रास्ता देकर निकाला। बाद में वरिष्ठ नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों की मध्यस्थता व निर्माण एजेंसी के आश्वासन के बाद चक्काजाम समाप्त हुआ। हालांकि समस्या जल्द दूर करने की बात कही गई।

अंतर जिला क्रिकेट स्पर्धा शुरु 7 जिलों की टीमें हो रही शामिल

उद्घाटन मैच में बुरहानपुर ने 368 रन बनाए

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। इंदौर संभाग क्रिकेट डिवीजन के तहत आयोजित सीनियर अंतर जिला दो दिवसीय क्रिकेट स्पर्धा का उद्घाटन स्टेडियम पर किया गया। पुलिस अधीक्षक रविंद्र वर्मा ने मुख्य अतिथि के तौर पर स्पर्धा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला क्रिकेट एसोसिएशन अध्यक्ष मनोज रघुवंशी, सचिव जितेंद्र गोस्वामी, एमपीसीए के सीडीसी मेंबर देवेंद्र परमार, ऑब्जर्बर अमोल गुप्ता, राजेश सोनी, संतोष पाटीदार, ओम रामनेकर, मुकेश रोकड़े सहित दोनों टीमों के खिलाड़ी और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

एसपी ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल को हमेशा खेल भावना से खेलना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस स्पर्धा से कोई खिलाड़ी आगे चलकर आईपीएल में जगह बनाएगा, तो उन्हें प्रसन्नता होगी। पुलिस अधीक्षक ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और दोनों



टीमों को शुभकामनाएं दीं।

स्पर्धा प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान : रघुवंशी

डीसीए अध्यक्ष रघुवंशी ने कहा यह स्पर्धा युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करती हैं। इन प्रतियोगिताओं से न केवल खेल भावना को बढ़ावा मिलता है, बल्कि खिलाड़ियों को बड़े स्तर पर प्रदर्शन करने का अनुभव भी मिलता है। स्पर्धा 16 से 28 नवंबर तक खेली जाएगी। स्पर्धा में खंडवा, बुरहानपुर, झाबुआ, धार, बड़वानी, अलीराजपुर और खरगोन जिले की टीमें हिस्सा ले रही हैं। स्पर्धा का पहला मैच बुरहानपुर और झाबुआ के बीच शुरू हुआ। बुरहानपुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय किया। अपनी पहली पारी में बुरहानपुर ने 72.1 ओवर में सभी विकेट खोकर 368 रन बनाए। इसमें अमन मिश्रा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 132 रन की पारी खेली। झाबुआ की ओर से अंकुर सिंगाड ने प्रभावशाली गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक झाबुआ ने 16 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 68 रन बना लिए थे।

जनसुनवाई में 93 आवेदकों ने प्रस्तुत किए अपने आवेदन

कलेक्टर ने दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आगर-मालवा। कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई की। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 93 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर डॉ. मीना ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना तथा प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को सौंपते हुए नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में नलखेड़ा तहसील के ग्राम पचलाना निवासी कालूराम ने विद्युत बिल संबंधी समस्या के निराकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। ग्राम नान्याखेड़ी अहीर निवासी अंबाराम ने शासकीय भूमि पर अनावेदक द्वारा अवैध अतिक्रमण कर निर्माण किए जाने के संबंध में, आगर की अयोध्या बस्ती निवासी अमजद खान ने अपने आवासीय मकान के सामने अनावेदक द्वारा अवैध अतिक्रमण कर निर्माण किए जाने की शिकायत करते हुए अतिक्रमण हटवाने के लिए आवेदन दिया।

सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने की मांग

नलखेड़ा तहसील के ग्राम धरोला निवासी कालूराम ने नहर से अपनी कृषि भूमि में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने की मांग की, सुसनेर तहसील के ग्राम गुराड़िया निवासी गोकुल सिंह ने अपनी भूमि पर कब्जा दिलवाए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया।जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने राजस्व, विद्युत, अतिक्रमण, सिंचाई, भूमि विवाद सहित अन्य समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर नियमानुसार एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बी.एस. सोलंकी, अपर कलेक्टर डॉ. शालिनी श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

72 जवानों ने दिलाई शहर को जाम से मुक्ति

हैवी बैरिकेड्स, ट्रैक्टर-ट्रालियों के लिए तय हुए अलग-अलग रूट





मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

डबरा। पिछले कई दिनों से भीषण जाम से जूझ रहा डबरा शहर जाम मुक्त हो गया। कल तक शहर भर की सड़कें और गलियां ट्रैक्टर-ट्रालियों से पूरी तरह भरी हुई थीं, लेकिन आज जिला प्रशासन और पुलिस की सख्ती के बाद शहर की सड़कों पर राहत नजर आई।

ग्वालियर देहात एडिशनल एसपी जयराज कुबेर और डबरा एसडीओपी सौरभ कुमार के निर्देशन में आज पुलिस द्वारा डबरा में जगह-जगह हैवी बैरिकेड्स लगाए गए और ट्रैक्टर-ट्राली व ट्रकों के आने-जाने के लिए रोड निर्धारित किए गए। निर्धारित व्यवस्था के अनुसार, जो धान की ट्रालियां दतिया व पिछोर साइड से डबरा मंडी के लिए आएंगी, वे मगरौरा रोड से गंगा बाग होते हुए गाड़ी अड्डा गेट नंबर 3 से अंदर प्रवेश करेंगी, वहीं खाली ट्रैक्टर-ट्राली और माल से भरे हुए ट्रक शुगर मिल होते हुए ठाकुर बाबा रोड से ग्वालियर-झांसी मार्ग पर पहुंचेंगे और अपने निर्धारित स्थान पर जाएंगे।

अब मंडी में 5 दिन काम, 2 दिन अवकाश

डबरा गल्ला मंडी में अब किसानों का माल 5 दिन लिया जाएगा और 2 दिन गुरुवार व रविवार को अवकाश रहेगा। इन दोनों दिनों में व्यापारी अपना माल ट्रकों में लोड कराकर मंडी से बाहर निकालेंगे, जिससे मंडी में जगह खाली होगी और जाम नहीं लगेगा। डबरा को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए ग्वालियर से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया है, जिनकी संख्या लगभग 75 हो गई है। अतिरिक्त बल की तैनाती से चौराहों, मंडी गेट और मुख्य मार्गों पर व्यवस्था संभाली गई।

अब सवाल - क्या कायम रहेगी सक्रियता?

आज प्रशासन की सक्रियता से शहरवासियों ने राहत की सांस ली है। लेकिन अब आगे देखना है कि प्रशासन की सक्रियता जिस प्रकार आज थी, उसी प्रकार आगे भी कायम रहेगी या नहीं। शहरवासी चाहते हैं कि यह व्यवस्था सिर्फ एक दिन की न हो, बल्कि रोजाना इसी तरह लागू रहे, ताकि दोबारा जाम की स्थिति न बने।

माँ बगलामुखी मंदिर की दान पेटियां 19 को खुलेंगी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

नलखेड़ा। नगर में स्थित विश्व प्रसिद्ध पीतांबरा सिद्धपीठ मां बगलामुखी मंदिर की दान पेटियां 19 नवंबर, गुरुवार को खोली जाएंगी। मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा दान पेटियां खोलने एवं प्राप्त दान राशि की गणना की प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराई जाएगी।

जानकारी के अनुसार, दान पेटियां खोलने की प्रक्रिया कार्यपालिक दंडाधिकारी एवं सुसनेर-नलखेड़ा अनुविभाग के अधिकारी राजेश श्रीमाल की उपस्थिति एवं निर्देशन में राजस्व कर्मचारियों द्वारा संपन्न कराई जाएगी। इस दौरान मंदिर परिसर में स्थापित सभी दान पेटियों को खोलकर उनमें प्राप्त राशि की गणना की जाएगी। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी, ताकि दान राशि की गणना में पारदर्शिता और व्यवस्था बनी रहे। प्राप्त राशि की गणना निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मंदिर प्रबंध समिति के अधिकृत अधिकारियों एवं राजस्व कर्मचारियों की उपस्थिति में की जाएगी।



निराली जितेंद्र पाटीदार बनीं महिला पाटीदार समाज की नगर अध्यक्ष



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

कसरावद। मध्यप्रदेश पाटीदार समाज संगठन के 16 वें त्रैवार्षिक निर्वाचन 6 के अंतर्गत महिला इकाई तहसील प्रतिनिधियों/ जिला प्रतिनिधियों/प्रान्त प्रतिनिधियों का निर्वाचन मंगलवार को अत्यंत उत्साह, पारदर्शिता और लोकतांत्रिक मयार्दाओं के साथ किया गया।

यह संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया तहसील निर्वाचन अधिकारी गिरधारी पाटीदार की उपस्थिति एवं नगर निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र पाटीदार की अध्यक्षता में हुआ।



एकजुटता का दिया परिचय

समाज के वरिष्ठजनों एवं उपस्थित सदस्यों ने सवार्नुमति नगर इकाई एवं सभी स्तर के प्रतिनिधियों को सवार्नुमति से चुनकर संगठन के प्रति अपनी एकजुटता का परिचय दिया। आगामी त्रैवार्षिक कार्यकाल के लिए पदाधिकारियों में महिला इकाई की नगर अध्यक्ष नराली जितेन्द्र पाटीदार (जिराती), महामन्त्री संगीता महेन्द्र पाटीदार (पांचोटिया, कोषाध्यक्ष बबीना अमर पाटीदार (मुकाती), उपाध्यक्ष ममता विक्रम पाटीदार (बाक्कस), सचिव विनीता वैभव पाटीदार (आम्रपाली), सहसचिव भाावना राजेश पाटीदार (वराडिया) को बनाया गया है। इसके साथ ही संगटन में मीडिया प्रभारी रिंकू राकेश पाटीदार (दावड़ा), संगठन सचिव दुर्गा जुगल पाटीदार (मुकाती), प्रवक्ता हेमलता अजय पाटीदार (सल्ली) को नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही कार्यकारी सदस्य रीना रितेश पाटीदार (मसालची), मनीषा अनिल पाटीदार चुने गये। इसके साथ ही अन्य प्रतिनिधि भी चुने गए। सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी गई है।

आयोजन हलवाई कैटरिंग एसोसिएशन की कार्यकारिणी का गठन

सोनू अध्यक्ष, पवन सचिव, नितेश बने कोषाध्यक्ष

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खण्डवा। हलवाई कैटरिंग एसोसिएशन खण्डवा द्वारा प्रतिवषार्नुसार इस वर्ष भी अन्नकूट महोत्सव एवं दीपावली मिलन समारोह का भव्य आयोजन स्थानीय भगवान श्री गणेश जी गौशाला परिसर में किया गया। समारोह में शहर के व्यापारी वर्ग, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा प्रदेश हलवाई संघ के पदाधिकारियों सहित 400 से अधिक लोग उपस्थित रहे।

समारोह का शुभारंभ माँ अन्नपूर्णा जी की विधिवत आरती एवं पूजन के साथ हुआ। मंचीय कार्यक्रम में प्रदेश हलवाई संघ के संरक्षकी धर्मा गुरू एवं बाहर से पधारे समस्त अतिथियों का पुष्पमाला एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। नारायण बाहेती ने बताया कि समारोह में बचे हुए शुद्ध भोजन को उपयोगी बनाने के कार्य मे महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करने वाले लायन्स क्लब के अध्यक्ष घनश्याम वाधवा,



सचिव हेमलता पालीवाल एवं कोषाध्यक्ष पवन लाड़ का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसी क्रम में लियो क्लब खण्डवा से सचिव शिवम जायसवाल एवं कोषाध्यक्ष पवन जायसवाल का भी स्वागत सम्मान किया गया।

वर्ष भर का लेखाजोखा प्रस्तुत

कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन अध्यक्ष दिलीप दशोरे ने दिया, जबकि सचिव जितेश कपूर ने एसोसिएशन द्वारा वर्ष भर किए गए सेवा कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। संस्थापक अध्यक्ष रितेश कपूर ने संगठन की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला और संचालन संरक्षक घनश्याम वाधवा ने अपनी विशिष्ट शैली में किया,

सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन और अभिनंदन

कार्यक्रम के दौरान आगामी दो वर्षों के लिए सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें सोनू सैनी को अध्यक्ष, पवन लाड़ को सचिव तथा नितेश मालाकार को कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। शेष पदाधिकारियों की घोषणा आगामी बैठक में करने का निर्णय लिया गया।इस अवसर पर प्रदेश हलवाई संघ की ओर से नवनिर्वाचित एवं निवर्तमान पदाधिकारियों (अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष) सहित प्रदेश स्तर पर प्रभावी सेवाएं दे रहे रितेश कपूर का साफा पहनाकर विशेष अभिनंदन किया गया। साथ ही एसोसिएशन की टीम द्वारा सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का गरिमामय स्वागत किया गया एवं निवर्तमान अध्यक्ष को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। आभार पवन लाड़ ने माना।

किसानों की समस्याओं को लेकर कलेक्टर से की मुलाकात



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खंडवा। बड़गांव माली के किसानों की समस्याओं एवं पूर्व में प्रशासन द्वारा किसानों की गई गिरफ्तारी के मामले को लेकर 17 नवंबर मंगलवार को जिला कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर ऋषव गुप्ता से मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने पूरे घटनाक्रम से कलेक्टर को अवगत कराते हुए किसानों के साथ हुई कार्रवाई और उनकी समस्याओं के संबंध में चर्चा की।

जिला कांग्रेस प्रवक्ता प्रेमांशु जैन ने बताया कि इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष उत्तमपाल सिंह, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष चंदन सिंह पवार, आकाश, हरेराम, भागीरथ, सावन, शिवम, माणकचंद पाटीदार, जितेंद्र ,निर्मल ,जगदीश मालाकार सहित क्षेत्र के किसान साथी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर के समक्ष किसानों का पक्ष रखते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनने और उचित समाधान करने की मांग रखी। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण होना चाहिए। किसानों की आवाज प्रशासन तक पहुंचाना और उन्हें न्याय दिलाने के लिए प्रयास करना उनकी प्राथमिकता है।

4 लाख की सहायता

गुना । कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल द्वारा मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना के अंतर्गत खेत में कृषि कार्य के दौरान मृत्यु होने के प्रकरण में 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता इमझरा तहसील रामवीर सिंह की सुनीता बाई को प्रदान की है।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक/विक्रेता **सोनल शाह** पता **19-बी, श्रीराम नगर, इन्दौर** पिन. नं. **2000224785** झोन क्र. 19 वार्ड क्रेता **श्रीमती लक्ष्मी पांचाल** जिसके नाम नामांतरण चाहा गया है । इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक **18.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 19 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 19 नगर पालिका निगम इंदौर

संत मोरारी बापू की रामकथा में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

बापू ने कहा- राज्य के राजा का धर्मसभा में आना एक शुभ संकेत

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। शहर में मंगलवार को आध्यात्मिक और भक्तिमय माहौल देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सांदीपनि आश्रम के सामने आयोजित मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी की भव्य कथा में पहुंचकर कथा का श्रवण किया। सुप्रसिद्ध रामकथा वाचक मोरारी बापू अपनी 'भारत स्वस्तिक यात्रा' के तहत करीब 900 श्रद्धालुओं के साथ एक स्पेशल ट्रेन से उज्जैन पहुंचे हैं। कथा के दौरान व्यासपीठ से मोरारी बापू ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को अपना स्नेहपूर्ण आशीर्वाद दिया और उनकी सादगी की जमकर सराहना की। बापू ने कहा कि मोहन यादव अत्यंत सहज व्यक्ति हैं और जब किसी राज्य का राजा स्वयं धर्मसभा में उपस्थित हो, तो इसे प्रदेश और समाज के लिए एक अत्यंत शुभ संकेत समझना चाहिए।

रामकथा का श्रवण करने के पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वहां उपस्थित विशाल जनसमूह और श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि रामकथा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि



समाज को आपस में जोड़ने और आमजन को धर्म व अध्यात्म के मार्ग पर ले जाने का एक सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री ने सनातन संस्कृति के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि सनातन धर्म विश्व का सर्वश्रेष्ठ धर्म है, जो संपूर्ण विश्व के कल्याण की कामना करता है। अपने संबोधन में उन्होंने गोसेवा और कृषि के अंतसंबंधों पर भी प्रकाश डाला। डॉ. यादव ने कहा कि हिंदू धर्म में गोपालन को विशेष महत्व दिया गया है और हमारी सरकार भी गोपालन को प्रोत्साहित करने तथा प्रदेश भर में गौशालाओं के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन प्रयासों से राज्य में दूध उत्पादन बढ़ने के साथ-साथ किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और प्राकृतिक खेती को भी व्यापक बढ़ावा मिलेगा।

भगवान श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के किए दर्शन

इससे पूर्व, मंगलवार सुबह स्पेशल ट्रेन से उज्जैन आगमन के बाद मोरारी बापू ने सर्वप्रथम विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन और पूजन किए। दर्शन के पश्चात उन्होंने बाबा महाकाल से अपने वर्षों पुराने आध्यात्मिक जुड़ाव को साझा करते हुए भावुक स्वर में कहा कि महाकाल तो हैं ही, उनके कराल और कोमल दोनों रूप अद्भुत हैं और यहां आने पर मन में एक विशेष कृतकृत्य भाव पैदा होता है। बापू ने बताया कि वे वर्षों से महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन आते रहे हैं और इस पावन मंदिर से उनका गहरा आध्यात्मिक संबंध है।

इस दौरान उन्होंने रामचरितमानस के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कागभुशुंडि जी के मंगल के लिए इसी मंदिर में एक परम साधु ब्राह्मण देवता द्वारा किए गए रुद्राष्टक पाठ की स्मृतियों को भी श्रद्धालुओं के साथ साझा किया। मोरारी बापू ने महाकाल मंदिर परिसर की उत्तम व्यवस्थाओं के साथ-साथ वहां के पुजारियों, पुरोहितों और स्थानीय प्रशासन के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मंदिर से जुड़े सभी लोगों ने सदैव उन्हें अपार स्नेह और आदर प्रदान किया है। मंदिर को मिल रहे भव्य नए स्वरूप और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किए जा रहे विस्तार कार्यों का स्वागत करते हुए बापू ने मंदिर प्रबंधन और प्रशासन को साधुवाद दिया।

लोहे की जाली में फंसा बुजुर्ग महिला का पैर, कटर से निकाला

रेलवे स्टेशन पर हुआ हादसा, मौके पर जमा हुई भीड़

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। रेलवे स्टेशन पर मंगलवार दोपहर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब प्लेटफॉर्म नंबर 3 और 4 के बीच बने रैंप के पास लगी लोहे की जाली में एक बुजुर्ग महिला यात्री का पैर बुरी तरह फंस गया। अचानक हुई इस घटना से यात्रियों की मौके पर भीड़, लग गई। काफी देर तक मशक्कत करने के बाद भी जब महिला का पैर बाहर नहीं निकला, तो मौके पर मौजूद रेलवे कर्मचारियों और आरपीएफ को इसकी सूचना दी गई। इसके बाद रेलवे की टेक्नीशियन टीम ने कटर की मदद से जाली को काटकर करीब आधे घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद महिला को सुरक्षित बाहर निकाला।

मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित बुजुर्ग महिला शाजापुर से यात्रा कर उज्जैन पहुंची थीं। मंगलवार दोपहर प्लेटफॉर्म नंबर 3 और 4 के बीच स्थित रैंप से उतरते समय उनका संतुलन बिगड़ा और जैसे ही उन्होंने अपना पैर नीचे रखा, वह पास में लगी लोहे की जाली के खांचे में जाकर फंस गया। महिला ने खुद ही पैर निकालने का काफी प्रयास किया और आसपास मौजूद यात्रियों ने भी उनकी मदद की, लेकिन पैर जाली में इस कदर अटक चुका था कि उसे निकालना असंभव हो गया। दर्द और घबराहट के बीच महिला की स्थिति को देखते हुए तत्काल रेलवे प्रशासन को अवगत कराया गया।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो

सूचना मिलते ही आरपीएफ जवान और रेलवे



की तकनीकी टीम आवश्यक उपकरणों के साथ घटनास्थल पर पहुंची। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए टेक्नीशियन टीम ने सावधानीपूर्वक कटर से लोहे की जाली को काटना शुरू किया। इस दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि कटर से महिला के पैर को कोई नुकसान न पहुंचे। करीब आधे घंटे तक चले इस सघन रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद जाली को काटकर महिला का पैर सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में बुजुर्ग महिला को कोई गंभीर चोट नहीं आई। इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें रेलवे कर्मचारी कटर चलाकर महिला को रेस्क्यू करते नजर आ रहे हैं। आरपीएफ थाना पुलिस के मुताबिक, महिला को सुरक्षित निकालने के बाद भविष्य में किसी अन्य यात्री के साथ इस तरह की अनहोनी को रोकने के लिए संबंधित जाली को फिलहाल पूरी तरह से कवर कर दिया गया है।

गवली समाज में शुरू हुआ तुलसी विवाह

श्री गणेश पूजन से हुई शुरूआत, 6 दिनों तक होंगे आयोजन



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। गवली समाज द्वारा 6 दिवसीय माँ तुलसी विवाह महोत्सव का शुभारंभ हो गया है। आयोजन के पहले दिन भगवान श्री गणेश जी का पूजन किया गया। इसके बाद अब 6 दिनों तक प्रतिदन समाजजनों द्वारा मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

समाज के महेश गवली ने बताया कि आयोजन के दौरान मंडप, हल्दी, मेहंदी, महिला संगीत, भजन संध्या और अन्य मांगलिक रस्में होंगी। अंतिम दिन तुलसी विवाह के बाद महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गवली समाज हर साल तुलसी विवाह महोत्सव मनाता है। उन्होंने बताया कि आयोजन पांच दिन चलता है और अंतिम दिन तुलसी विवाह के बाद महाप्रसादी होती है। इस कार्यक्रम में समाज के कई महिला और पुरुष शामिल हुए। सोमवार को भी गणेश पूजन व खलमाटी पूजन के बाद महिलाओं ने संगीतमय भजनों पर नाच-गाकर आयोजन की खुशियां मनाई।

जनसुनवाई में आए 116 आवेदन

देवास। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में अपर कलेक्टर संजीव जैन ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और आवेदकों की समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में प्राप्त 116 आवेदनों के निराकरण के लिए अपर कलेक्टर जैन ने मौके पर ही संबंधित विभागों के जिला अधिकारियों को बुलाकर आवेदनों को सौंपते हुए निर्देशित किया कि आवेदकों की समस्याओं का निराकरण तत्काल किया जाये। जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना, कृषि भूमि का सीमांकन, बैंक खाते में जमा राशि दिलाए जाने, जलकर में रियायत दिलाई जाने, बिजली बिल कम कराने, पेंशन शुरू कराने, बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, नामांकन, बंटवारा, रास्ते पर से अतिक्रमण हटवाने की मांग की।

गवली समाज में शुरू कॉलेज बना अभाविप कार्यकताओं का अड्डा

एनएसयूआई पदाधिकारियों ने लगाया आरोप, कॉलेज में जमकर मचाया हंगामा, कालेज गेट पर ताला लगाया

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। एनएसयूआई कार्यकताओं ने कॉलेज परिसर में जमकर हंगामा किया, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हुई और परिसर में अफरा-तफरी का माहौल रहा। इन कार्यकताओं ने शोर मचाते हुए जमकर हंगामा किया और कॉलेज गेट पर ताला भी लगा दिया, जिससे विद्यार्थी भी घबरा गए। एनएसयूआई कार्यकताओं का कहना था कि अभाविप कार्यकताओं को मंच दिया जाता है और उन्हें कार्यक्रमों की सूचना भी नहीं दी जाती और कॉलेज इन दिनों अभाविप के लोगों का अड्डा बना हुआ है।

एनएसयूआई कार्यकताओं का आरोप था कि कालेज में होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी उन्हें नहीं दी जाती। इसी बात को लेकर



कार्यकताओं ने प्राचार्य के कक्ष का घेराव किया।

आधे घंटे तक कक्ष में किया हंगामा

उन्होंने करीब आधे घंटे तक कक्ष में हंगामा किया और प्राचार्य से बहस की। कार्यकताओं ने प्राचार्य से जवाब मांगा, लेकिन उन्हें जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने कालेज के गेट पर ताला लगाया और कालेज प्रशासन तथा अभाविप के खिलाफ नारेबाजी की। रोहित कराड़ा ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेल प्रतियोगिताओं की जानकारी एनएसयूआई के कार्यकताओं और पदाधिकारियों को नहीं दी जाती। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें हर बार कार्यक्रमों से दूर रखा जाता है और अभाविप कार्यकताओं को मंच दिया जाता है। कार्यकताओं ने यह भी आरोप लगाया कि कालेज परिसर अभाविप का अड्डा बन गया है। उनका कहना है कि अभाविप कार्यकर्ता अक्सर प्राचार्य के कक्ष में बैठकर चाय-नाश्ता करते हैं।

कॉलेज में मची अफरा-तफरी, घबरा गए विद्यार्थी

एनएसयूआई कार्यकताओं ने कॉलेज परिसर में जोर-जोर से नारेबाजी की । जिससे कॉलेज में मौजूद विद्यार्थी घबरा गए और वहां अफरा-तफरी मच गई। यही नहीं हंगामे को देखते हुए प्राचार्य मीनू गिडवानी भी अवकाश लेकर चली गई। हालात ये थे कि स्थिति को संभालने के लिए लालघाटी पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा। जिसके बाद विद्यार्थियों ने राहत की सांस ली।

भोलेनाथ मंदिर में 365 दीपों से आरती कर किया अभिषेक

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। लायंस क्लब देवास गोल्ड की पूर्व अध्यक्ष लायन लक्ष्मीराव द्वारा बालगढ़ स्थित भोलेनाथ मंदिर में 365 दीप प्रज्वलित कर अभिषेक एवं भव्य आरती का आयोजन किया गया।

इस दौरान दीपों की रोशनी से मंदिर परिसर जगमगा उठा और वातावरण भक्तिमय हो गया। पूजा-अर्चना के पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया।इस अवसर पर पूर्व महापौर रेखा वर्मा, पूर्व चार्टर अध्यक्ष सोफिया कुरैशी, पूर्व अध्यक्ष हीना राठौर, क्लब अध्यक्ष संगीता गोयल, सचिव मोनिका राणा, कोषाध्यक्ष नेहा छाबड़िया, प्रथम उपाध्यक्ष तरुणा जाट, कुसुम अग्रवाल, कविता चौबे, शकुंतला बलवानी, बबीता सहगल एवं पूजा अरोरा सहित क्लब की अन्य सदस्य उपस्थित रहीं। सभी सदस्यों ने दीपोत्सव में सहभागिता कर पूजा-अर्चना की तथा महाप्रसादी ग्रहण की।



धूमधाम से मनाई गई भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की जयंती

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। कल्चुरी समाज द्वारा भगवान सहस्त्रबाहु जी की जयंती धूमधाम से मनाई। इस दिन विभिन्न जिलों के समाजजनों ने यहां उपस्थित होकर प्रभु को श्रद्धासुमन अर्पित किए। वहीं क्षेत्रीय विधायक ने भी धर्मशाला निर्माण हेतु 21 लाख रू. की घोषणा की।

इस अवसर पर समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। वहीं समाज के वरिष्ठजनों एवं बुजुर्गों का सम्मान कर उनके अनुभव, मार्गदर्शन



एवं समाज के प्रति योगदान का अभिनंदन किया गया। विधायक अरुण भीमावद ने अपने उद्बोधन में भगवान श्री सहस्त्रबाहु अर्जुन के शौर्य, पराक्रम, अदम्य साहस, न्यायप्रियता एवं प्रजापालक राजा के रूप में उनके गौरवशाली इतिहास का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन का जीवन शक्ति, सामर्थ्य, धर्म और जनकल्याण का प्रतीक है। उनके आदर्श आज भी समाज को संगठित होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

21 लाख रुपये देने की घोषणा

उन्होंने जायसवाल परिसर में समाज की धर्मशाला निर्माण के लिए 21 लाख रुपये देने की घोषणा की, जिसका उपस्थित समाजजनों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। भोपाल महापौर मालती राय ने अपने संबोधन में कहा कि समाज को शिक्षा, व्यापार, राजनीति एवं सामाजिक गतिविधियों सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी सक्रिय भागीदारी बढ़ानी चाहिए। विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं को आगे लाकर समाज की एकता एवं संगठन को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम को भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पांडेय व समाज के जिलाध्यक्ष संजय शिवहरे ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष आशीष नागर, कांग्रेस जिलाध्यक्ष नरेश्वरप्रताप सिंह, कलचुरी समाज राष्ट्रीय महासचिव एमएल राय एवं प्रदेश महासचिव वीरेंद्र राय उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष शरद शिवहरे, सरपंच संघ अध्यक्ष राकेश जायसवाल आदि उपस्थित थे।

आयोजन | **मुख्यमंत्री ने कियां नवनिर्मित सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का वर्चुअल लोकार्पण**

खिलाड़ियों को मिलेगा प्रतिभा निखारने का अवसर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देवास के कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में लगभग 9.44 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित 400 मीटर लंबाई के 8-लेन सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का वर्चुअल लोकार्पण किया।

इस आधुनिक ट्रैक के शुरू होने से देवास जिले की खेल अधोसंरचना में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। अब जिले के खिलाड़ियों को एथलेटिक्स के अभ्यास एवं प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आधुनिक तकनीक से तैयार सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक देवास के खिलाड़ियों के लिए बड़ी सौगात है। इससे स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त करने और अपनी खेल प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलेगा। यह ट्रैक राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की



प्रतियोगिताओं की तैयारी में भी सहायक सिद्ध होगा। यादव के अनुसार सरकार खेल प्रतिभाओं को लगातार बढ़ावा देने में लगी हुई है। इसके लिए कई प्रकार की योजनाएं लागू की गई है।

खिलाडियों ने बढ़ाया जिले का गौरव : विधायक पवार

विधायक श्रीमती पवार ने कहा कि मां चामुंडा और मां तुलजा भवानी की नगरी देवास की पहचान कला एवं खेल के क्षेत्र में भी है। यहां के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा के दम पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले का गौरव बढ़ाया है। हाल ही में जिले के खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अनेक पदक अर्जित किए हैं। खिलाड़ी जय मीणा ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर देवास को गौरवान्वित किया है। इसके अलावा अन्य खिलाड़ियों ने भी एशियाई खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर जिले का मान बढ़ाया है। उन्होंने देवास को यह महत्वपूर्ण सौगात देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया है।

युवाओं के लिए महत्वपूर्ण दिन

मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष रायसिंह सेंधव ने कहा कि आज युवा खिलाड़ियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है। देवास में 400 मीटर लंबाई के 8-लेन सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की सुविधा मिलना शहर के लिए बड़ी उपलब्धि है। प्रदेश सरकार द्वारा देवास में लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं और यह ट्रैक उनमें एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे स्थानीय एवं युवा खिलाड़ियों को बेहतर अभ्यास सुविधाएं मिलेंगी तथा वे अपनी प्रतिभा को निखारकर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकेंगे।कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लीला अटारिया, कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना, नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार, नगर निगम सभापति रवि जैन, राजीव खंडेलवाल, बहादुर मुकाती, ओम जोशी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, विश्वामित्र अवार्डी सुदेश सांगते, अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी, जिला अधिकारीगण, प्रशिक्षक एवं खिलाड़ी उपस्थित थे

बाल मेले में बच्चों ने स्वादिष्ट व्यंजनों के लगाए स्टॉल, चटखारे भी उड़ाए

गुरुकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं गायत्री एकेडमी के तत्वावधान में आयोजन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। बाल दिवस के उपलक्ष्य पर अभयपुर स्थित गुरुकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं गायत्री एकेडमी द्वारा संयुक्त रूप से बाल मेले का आयोजन किया गया। बाल मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी दीपा कीर ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नपा उपाध्यक्ष संतोष जोशी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी दीपा कीर ने विद्यालय के रिबन काटकर आयोजन की शुरूआत की। इस अवसर पर दोनों संस्थाओं की संचालन समिति ग्राम विकास संघ अभयपुर के अध्यक्ष राम दयाल पाटीदार ने जिला शिक्षा अधिकारी दीपा कीर को अंगवस्त्र भेंटकर



सम्मानित किया।

विद्यार्थियों ने संयुक्त रूप से 36 दुकानें लगाई

बाल मेले में दोनों संस्थाओं के विद्यार्थियों ने संयुक्त रूप से 36 दुकानें लगाई थीं। जिला शिक्षा अधिकारी ने प्रत्येक दुकान पर पहुंचकर बच्चों से मुलाकात की तथा उनके द्वारा तैयार की गई सामग्री और दुकानों के संचालन के संबंध में चर्चा की। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने विद्यालय में संचालित विभिन्न कक्षाओं, स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब एवं नर्सरी कक्ष का अवलोकन किया तथा शैक्षणिक व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन गुरुकुल के पूर्व प्रबंध संचालक मनोहर राय ने किया।

रिंग रोडः 3 साल से कागजों में उलझी योजना, अब बदलने की तैयारी !

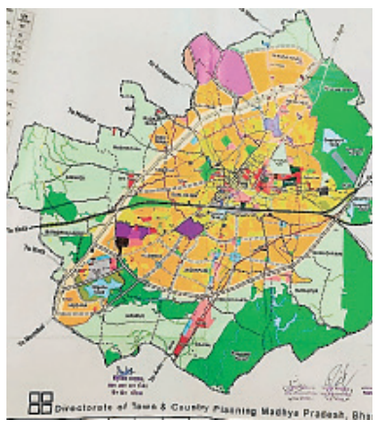
मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। शहर को भारी वाहनों के दबाव से राहत दिलाने, यातायात व्यवस्था सुधारने और भविष्य के विस्तार को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से प्रस्तावित रिंग रोड अब खुद सवालों के घेरे में है। वर्ष 2023 में जिस रिंग रोड को मंजूरी मिली थी, उसका निर्माण तीन साल बाद भी शुरू नहीं हो पाया है। हैरानी की बात यह है कि निर्माण शुरू कराने के बजाय अब स्वीकृत मार्ग को बदलकर नए रूट की तैयारी की जा रही है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर गुना की रिंग रोड विकास की जरूरतों के अनुसार बनेगी या जमीनों की कीमतों और कुछ लोगों के निजी हितों की भेंट चढ़ जाएगी?

रिंग रोड का उद्देश्य शहर के भीतर से गुजरने वाले यातायात का दबाव कम करना और बाहरी हिस्सों को बेहतर कनेक्टिविटी देना था। वर्ष 2023 में मंजूर योजना को इसी दूरगामी सोच के साथ मास्टर प्लान 2035 में भी जगह दी गई। लेकिन अब तक धरातल पर निर्माण की शुरूआत नहीं हो सकी है। इसके उलट प्रशासनिक स्तर पर पुराने प्रस्ताव को बदलकर नए रूट का नक्शा तैयार कराने की प्रक्रिया सामने आई है। इससे योजना की प्राथमिकताओं और उसके क्रियान्वयन को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

मास्टर प्लान 2035 में मंजूरी के बाद बदलाव क्यों?

मास्टर प्लान 2035 शहर के सुनियोजित विकास का महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसमें शामिल सड़क परियोजनाएं भविष्य की आबादी, यातायात और शहरी विस्तार को ध्यान में रखकर तय की जाती हैं। ऐसे में जिस रिंग रोड को मास्टर प्लान में जगह मिली, उसे बदलने की जरूरत आखिर क्यों महसूस हुई? क्या पुराने मार्ग में ऐसी तकनीकी या व्यावहारिक बाधाएं थीं, जिनका समाधान संभव नहीं था? यदि ऐसी कोई समस्या थी



तो उसका सार्वजनिक विवरण सामने आना चाहिए।

पीडब्ल्यूडी से नया प्रस्ताव

प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, मास्टर प्लान में मंजूर रिंग रोड को बदलने के लिए प्रशासन की ओर से लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) से नया प्रस्ताव तैयार करवाकर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग को भेजा गया है। इसकी एक प्रति भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को भी भेजे जाने की जानकारी सामने आई है। नए रूट की डीपीआर तैयार कराने के लिए एजेंसी तलाशने की प्रक्रिया का भी उल्लेख किया गया है। इस घटनाक्रम ने पुराने और नए नक्शे के बीच अंतर, मार्ग परिवर्तन के आधार और परियोजना की समयसीमा को लेकर बहस छेड़ दी है।

जमीनों की कीमतों का गणित तो नहीं बदल रहा रिंग रोड का रास्ता?

इस पूरे मामले का सबसे संवेदनशील पहलू जमीनों की कीमतों से जुड़ा है। रिंग रोड जहां से गुजरती है, वहां जमीनों की उपयोगिता और बाजार मूल्य पर असर पड़ना स्वाभाविक है। ऐसे में पुराने स्वीकृत मार्ग को बदलकर नया रूट तैयार करने की कवायद के बीच यह आशंका भी उठ रही है कि कहीं इस बदलाव के पीछे कुछ लोगों के निजी आर्थिक हित तो काम नहीं कर रहे? यह फिलहाल जांच और सार्वजनिक स्पष्टीकरण का विषय है, लेकिन प्रशासन को यह स्पष्ट करना चाहिए कि रूट बदलने का आधार क्या है। नए मार्ग का चयन किन तकनीकी मानकों, यातायात संबंधी जरूरतों और जनहित के पहलुओं को ध्यान में रखकर किया गया है? पुराने और नए नक्शे का तुलनात्मक विवरण सार्वजनिक करने से इन सवालों का जवाब मिल सकता है। रिंग रोड जैसी बड़ी परियोजना केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं होती। इससे शहर का विस्तार, औद्योगिक गतिविधियां, आवागमन, जमीनों का उपयोग और भविष्य का शहरी स्वरूप प्रभावित होता है। इसलिए इसके मार्ग में बदलाव का निर्णय पूरी पारदर्शिता के साथ होना चाहिए। यदि पुराने रूट में वास्तव में कोई बड़ी बाधा थी तो उसका तकनीकी आधार सार्वजनिक किया जाना चाहिए। लेकिन यदि बदलाव के पीछे किसी तरह का अनुचित दबाव या निजी हित हैं, तो इसकी निष्पक्ष जांच भी जरूरी है। शहर के विकास से जुड़ी परियोजना को कुछ चुनिंदा लोगों के फायदे का माध्यम बनने से रोकना प्रशासन की जिम्मेदारी है। गुना के नागरिकों को यह जानने का अधिकार है कि वर्ष 2023 में स्वीकृत रिंग रोड का क्या हुआ? तीन साल तक निर्माण क्यों शुरू नहीं हो सका? अब नया रूट तैयार करने की जरूरत क्यों पड़ी? पुराने और नए प्रस्ताव में कितना अंतर है? इससे किन क्षेत्रों को लाभ और किन्हें नुकसान होगा? जमीन अधिग्रहण और मुआवजे की स्थिति क्या रहेगी? इन सभी सवालों के जवाब सार्वजनिक होने चाहिए। रिंग रोड का मामला केवल विभागीय फाइलों और नक्शों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। यह गुना के भविष्य से जुड़ी परियोजना है और इसका निर्णय व्यापक जनहित को ध्यान में रखकर होना चाहिए। सबसे बड़ा सवाल यही है कि गुना को रिंग रोड कब मिलेगी?

मुनि श्री के पावन सानिध्य में निकला भव्य विमान महोत्सव, श्री जी को कराया गया नगर भ्रमण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

कुंभराज। आज दिगंबर जैन समाज कुंभराज के तत्वावधान में परम पूज्य मुनि श्री 108 श्रमण सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 ओंकार सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में भव्य विमान महोत्सव का आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।



विमान महोत्सव का शुभारंभ जैन मंदिर से हुआ, जहां श्री जी को भव्य विमान में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। विमान यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः जैन मंदिर प्रांगण पहुंची। इस दौरान संपूर्ण नगर भगवान के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने श्री जी के दर्शन कर आरती एवं पूजा-अर्चना की तथा धर्मलाभ अर्जित किया। जैन मंदिर प्रांगण पहुंचने के पश्चात चारों इंद्रों द्वारा विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन-अर्चना की गई। तत्पश्चात धार्मिक परंपरा के अनुसार फूल एवं लाल की बोली लगाई गई। समस्त धार्मिक क्रियाएं श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुईं। कार्यक्रम के समापन उपरांत दिगंबर जैन समाज द्वारा वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजनों एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। भव्य विमान महोत्सव के सफल आयोजन में नगर परिषद कुंभराज द्वारा संपूर्ण सहयोग प्रदान करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।

वहीं सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था की दृष्टि से पुलिस प्रशासन द्वारा भी भरपूर सहयोग प्रदान किया गया, जिससे संपूर्ण नगर भ्रमण कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

दिगंबर जैन समाज द्वारा आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले नगर परिषद कुंभराज एवं पुलिस प्रशासन के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

बूढ़े बालाजी रोड पर ओवरब्रिज से नीचे गिरी कार

गुना। शहर के बूढ़े बालाजी रोड पर टेकरी पुल के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहां ओवरब्रिज से एक कार बेकाबू होकर नीचे बायपास पर आ गिरी। इस भीषण दुर्घटना में कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टर के मुताबिक घायल चालक की हालत अभी भी चिंताजनक बनी हुई है।

दबंगों ने किया जमीन पर कब्जा, कलेक्ट्रेट में रोने लगीं मां-बेटी

गुना। चांचौड़ा क्षेत्र के बटावदा गांव से जमीन पर कब्जे के विवाद को लेकर मां-बेटी कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में न्याय की गुहार लगाने पहुंचीं। अपनी व्यथा सुनाने के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में ही मां-बेटी फफक-फफककर रोने लगीं। पीड़ित महिला दुर्गा बाई पत्नी मोहर सिंह ने आरोप लगाया है कि उनके नाम पर करीब 13 बीघा जमीन दर्ज है, जिस पर गांव के ही गुर्जर समाज के कुछ दबंगों द्वारा अवैध कब्जा किया जा रहा है। विरोध करने पर उन पर कुल्हाड़ी से हमला करने का प्रयास भी किया गया। पीड़ितों का यह भी कहना है कि उनके पास इस पूरी मारपीट और दबंगई की घटना का वीडियो सबूत भी मौजूद है, लेकिन स्थानीय मृगवास थाना पुलिस ने उनकी शिकायतों पर कोई सुनवाई नहीं की। थाने से न्याय न मिलने के कारण आखिरकार उन्हें अपनी फरियाद लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचना पड़ा, जहाँ उन्होंने जिला कलेक्टर से मामले में त्वरित हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने की मांग की है।

शहर की सूरत बदलने की तैयारी!

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। शहर के सौंदर्यीकरण को लेकर जिला प्रशासन ने अब पूरी तरह कमर कस ली है। शहर के प्रमुख चौराहों और तिराहों की तस्वीर बदलने के लिए कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने मंगलवार शाम को मैदानी स्तर पर मोर्चा संभालते हुए विभिन्न प्रस्तावित स्थलों का औचक स्पॉट निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ प्रशासनिक अमला भी मौजूद रहा, जिसने शहर के विकास और सुंदरीकरण की रूपरेखा को जमीन पर उतारने की दिशा में अहम कदम उठाए।



कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने अपनी निरीक्षण यात्रा के दौरान शहर के सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण हिस्सों का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने अंबेडकर चौराहा, हनुमान चौराहा, तेलघानी तिराहा, जय स्तंभ चौराहा और चिंतामण मंदिर तक के मार्ग का पैदल व वाहनों से भ्रमण किया। इन सभी प्रस्तावित स्थलों पर सौंदर्यीकरण के लिए तैयार किए गए विशेष डिजाइनों और लेआउट का कलेक्टर ने मौके पर पहुंचकर गहराई से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने केवल कागजी प्लान देखने के बजाय हर एक स्थल की भौगोलिक स्थिति और ट्रैफिक के हिसाब से जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने मौके पर ही लेआउट में कुछ आवश्यक बदलाव करने और शहर के सौंदर्य को चार चांद लगाने वाले सुझाव अधिकारियों को सौंपे। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यह है कि शहर के ये मुख्य चौराहे न केवल सुंदर दिखें।

इस मैदनी दौरे और समीक्षा के दौरान शहर के विकास को लेकर तमाम विभागों के प्रमुख चेहरे मुस्तैद नजर आए। इस पूरी कार्रवाई में ज्वाइंट कलेक्टर संदीप शिवा, एसडीएम शिवानी पांडे, सीएमओ शैलेश अवस्थी, पीडब्ल्यूडी विभाग से केएस उइके सहित विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिन्होंने शहर के सौंदर्यीकरण के इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को जल्द अमलीजामा पहनाने का संकल्प लिया।

कुंभराज में बीएसएनएल ऑफिस के सामने अवैध निर्माण पर घमासान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

कुंभराज। बीएसएनएल ऑफिस की बाउंड्रीवॉल के पास नगर पालिका द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्य को लेकर विवाद गहरा गया है, जिसे लेकर भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की ओर से तहसीलदार को एक औपचारिक आवेदन सौंपकर निर्माण कार्य तुरंत रोकने और इसे स्थगित करने की मांग की गई है।

आवेदन में बताया गया है कि भमावद चौराहे पर स्थित बीएसएनएल ऑफिस की बाउंड्री के ठीक आगे दूसरा मुख्य गेट प्रस्तावित है, जिसके सामने किसी भी प्रकार के निर्माण का कोई प्रावधान नहीं है। आरोप है कि पानी की टंकी निर्माण का बहाना बनाकर नगर पालिका द्वारा वहां व्यावसायिक दुकानें बनाई जा रही हैं। बीएसएनएल अधिकारियों और नायब तहसीलदार द्वारा मना किए जाने के बावजूद नियमों की अवहेलना करते हुए काम लगातार जारी है, और इस दौरान बाउंड्री की तार फेंसिंग को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। विभाग का यह भी आरोप है कि विरोध करने पर उल्टा पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराने की धमकियां दी जा रही हैं।

नगर पालिका के पास अतिक्रमण का अधिकार नहीं

ज्ञापन में इस बात पर प्रमुखता से जोर दिया गया है कि भूमि का मालिकाना हक पूरी तरह केंद्र सरकार के पास है। बीएसएनएल एक केंद्रीय सरकारी उपक्रम है, जिसकी जमीन और 'राइट ऑफ वे' पूरी तरह केंद्र सरकार के अधीन आता है। नियमों के अनुसार नगर पालिका के पास किसी अन्य केंद्रीय विभाग की भूमि पर इस तरह का अतिक्रमण करने का कोई अधिकार नहीं है।

दूरी और विकास नियमों की उड़ रही धज्जियां

ज्ञापन में भूमि विकास नियमों का हवाला देते हुए आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। नियमों के अनुसार किसी भी मुख्य सरकारी इमारत की बाउंड्री और सड़क के बीच तय दूरी छोड़ना अनिवार्य होता है, ताकि टेलीफोन केबल और बिजली लाइनों जैसी आवश्यक यूटिलिटी सेवाओं के लिए जगह सुरक्षित रह सके, लेकिन इस मामले में इन नियमों की अनदेखी की जा रही है। ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन को चेताया गया है कि टेलीकॉम एक्सचेंज और संचार कार्यालय संवेदनशील सरकारी क्षेत्र की श्रेणी में आते हैं। बाउंड्रीवॉल के ठीक पास दुकानें बनने से भूमिगत टेलीफोन केबलों को भारी नुकसान पहुंच सकता है, साथ ही भविष्य में वाहनों के आवागमन में भी गंभीर बाधा उत्पन्न होने की पूरी आशंका है।



अमाही तालाब से अब केवल पेयजल के लिए मिलेगा पानी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। नगर पालिका परिषद अशोकनगर एवं थाना ग्रामीण पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा नगर के मुख्य पेयजल स्त्रोत अमाही तालाब के टेल एंड पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि तालाब के टेल एंड पर मोटर पंप के माध्यम से पानी निकाला जा रहा था। अमाही तालाब का जलस्तर लगातार नीचे गिर रहा है, जिससे आगामी दिनों में नगर की पेयजल व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर हित में निर्णय लिया गया है कि अब तालाब का पानी खेतों की सिंचाई के लिए नहीं दिया जाएगा। तालाब में उपलब्ध शेष जल का उपयोग केवल नगरवासियों की पेयजल आवश्यकता की पूर्ति के लिए किया जाएगा।

नगर पालिका प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि वर्तमान परिस्थितियों में अमाही तालाब के पानी का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है, ताकि शहरवासियों को सुचारू रूप से पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

फसलों को सूखने से बचाने हेतु नेवज नदी में 15 दिन पानी छोड़ने की मांग

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

राजगढ़। जिले के करीब 20 गांवों के किसानों ने अपनी गेहूं, सरसों, चना और मसूर की फसलों को सूखने से बचाने के लिए नेवज नदी में 15 दिनों तक पानी छोड़े जाने की मांग की है। इस संबंध में किसानों ने जिला कलेक्टर के नाम जनहित में आवेदन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।



आवेदन में किसानों ने बताया कि क्षेत्र में बारिश कम होने और भूजल स्तर अत्यधिक नीचे चले जाने के कारण सिंचाई के लिए पानी की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। क्षेत्र के कई कुएं और बोरवेल में पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में किसानों की मेहनत और लागत से बोई गई गेहूं, सरसों, चना एवं मसूर की फसलें पानी के अभाव में सूखने की कगार पर पहुंच रही हैं।

किसानों के अनुसार इस समस्या से पाडली, कोडियाखेड़ी, बारवा खुर्द, सरसखेड़ी, गिदौली, लखेसरा, चोमा, भरेड़, लक्ष्मणपुरा, अंतरालिया, चकरोड़, बरड़ी एवं हल्दुखेड़ी सहित आसपास के गांव प्रभावित हैं। किसानों ने आवेदन में यह भी बताया कि क्षेत्र के आसपास कुंडालिया बांध से संबंधित जल आपूर्ति की पाइपलाइन गुजर रही है तथा नेवज नदी भी सिंचाई और जल उपलब्धता का महत्वपूर्ण माध्यम है। किसानों ने मांग की है कि संबंधित बांध एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारी तकनीकी परीक्षण कर यह सुनिश्चित करें कि उपलब्ध जल संसाधनों और निर्धारित नियमों के तहत नेवज नदी में 15 दिनों तक पानी छोड़ा जाना संभव है या नहीं। आवेदन में प्रशासन से तत्काल तकनीकी एवं प्रशासनिक जांच कराने, संबंधित अधिकारियों को मौके पर निरीक्षण के निर्देश देने और किसानों के हित में 15 दिनों तक नदी में पानी छोड़ने की व्यवस्था करने की मांग की है।

जमीन पर बैठकर किया विधायक ने संवाद

विधायक हरिबाबू राय ने जाना ग्रामीणों का हालचाल

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। विधानसभा क्षेत्र के भ्रमण के दौरान अशोकनगर विधायक इंजी. हरिबाबू राय ने ग्रामवासियों के बीच पहुंचकर उनसे आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान विधायक जी ने ग्रामीणों के साथ जमीन पर बैठकर बड़े ही सहज और सरल अंदाज में संवाद किया तथा उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुना।



विधायक का यह सहज और आत्मीय व्यवहार ग्रामीणों के प्रति उनके प्रेम, सम्मान और जुड़ाव को दर्शाता है। उन्होंने ग्रामवासियों के साथ बैठकर गांव के हालात, उनकी समस्याओं और सुझावों पर चर्चा की।

विधायक इंजी. हरिबाबू राय ने अपने व्यवहार से यह संदेश दिया कि जनप्रतिनिधि और जनता के बीच कोई दूरी नहीं होनी चाहिए। जनता के बीच रहना, उनकी बात सुनना और उनके सुख-दुख में सहभागी बनना ही सच्ची जनसेवा है। जनता के बीच, जनता के साथ और जनता के विश्वास के साथ अपना संवाद बनाए रखने का प्रयास करते हैं।

गोपाष्टमी पर्व पर गो-पूजन कर, गोवंश संरक्षण एवं सेवा का संकल्प

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपरा में गौमाता का विशेष महत्व है। गोवंश के संरक्षण, संवर्धन एवं सेवा के प्रति जन-जागरूकता लाने के उद्देश्य से गोपाष्टमी के पावन पर्व पर अशोकनगर में दयोंदय पशु सेवा केंद्र, गो संपर्क एवं सकल हिंदू समाज के संयुक्त तत्वावधान में श्रद्धा और उत्साह के साथ भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान बताया गया कि गोसेवा, जीवदया और गोवंश संरक्षण का संकल्प ही गोपाष्टमी पर्व की सच्ची सार्थकता है।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में सकल हिंदू समाज के जिला अध्यक्ष दिनेश जैन, प्रदेश कोषाध्यक्ष रामकुमार चौधरी, उपाध्यक्ष विकास जैन 'बल्ली' एवं जिला महामंत्री संतोष शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।



अतिथियों द्वारा विधि-विधान से गौमाता का पूजन एवं आरती कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात गौमाता को तिलक लगाकर गुड़, हरा चारा एवं पौष्टिक आहार खिलाया गया तथा गौमाता की परिक्रमा कर नगर एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष दिनेश जैन, प्रदेश कोषाध्यक्ष रामकुमार चौधरी, उपाध्यक्ष विकास जैन 'बल्ली' एवं जिला महामंत्री संतोष शर्मा ने गोपाष्टमी पर्व के धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति और हमारी सनातन परंपरा का अभिन्न अंग हैं। गोसेवा केवल धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि मानवता और जीव-दया का भी महत्वपूर्ण स्वरूप है। हम सभी का दायित्व है कि निराश्रित, घायल एवं बीमार गोवंश की सेवा और सुरक्षा के लिए आगे आएं।

सेवा कार्यों की सराहना

अतिथियों ने दयोदय पशु सेवा केंद्र एवं गो संपर्क द्वारा क्षेत्र में घायल, बीमार एवं निराश्रित पशुओं की देखभाल, उपचार और सेवा के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता रखते हुए सेवा के कार्यों में सहभागी बनना चाहिए।

इस अवसर पर सकल हिंदू समाज के पदाधिकारियों ने युवाओं से अपनी संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़ने, गौवंश की रक्षा करने तथा गोसेवा को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में गोसेवक, मातृशक्ति, समाज के पदाधिकारी एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- जितेंद्र कोठारी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. राऊखेड़ी, देवास रोड, इंदौर (म.प्र.) 453771 से मुद्रित एवं 107, प्रथम माला, स्वदेश भवन, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) 452011 से प्रकाशित। संपादक-राघवेंद्र*।
आरएनआई नं. एमपीबीआईएल/2020/80117, फोन- 0731 3144237, मो. 83570 89000, Email-mradubhashi.news@gmail.com। समाचार चयन के लिए पीआरपी एक्ट के तहत जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)